दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-78 सीहोर, शनिवार 09 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

ISI से जुड़े शहजाद भट्टी मॉड्यूल का भंडाफोड़

9 गुर्गे गिरफ्तार; निशाने पर थे ऐतिहासिक मंदिर और मशहूर ढाबा

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ से जुड़े शहजाद भट्टी मॉड्यूल के 9 गुर्गों को हथियारों सहित गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने कई बड़े खुलासे किए हैं। पुलिस के अनुसार, मॉड्यूल का निशाना दिल्ली का एक ऐतिहासिक मंदिर था। आरोपियों में से एक ने मंदिर की रेकी की थी और वहां तैनात पुलिसकर्मियों व अर्धसैनिक बलों पर गोलीबारी की योजना बनाई गई थी। मंदिर की तस्वीरें और अन्य जानकारियां पाकिस्तान में बैठे सोशल मीडिया हैंडलर्स को भेजी गई थीं।जांच में यह भी सामने आया है कि दिल्ली-सोनीपत हाईवे पर स्थित एक प्रसिद्ध ढाबे पर हैंड ग्रेनेड से हमला करने की साजिश रची गई थी। इस ढाबे पर रोजाना बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं। इसके अलावा हिसार के

एक सैन्य कैंप की रेकी कर वीडियो पाकिस्तान भेजे गए थे। मॉड्यूल के निशाने पर उत्तर प्रदेश के कुछ पुलिस स्टेशन और वहां तैनात पुलिसकर्मी भी थे।यह कार्रवाई गुरुवार को चलाए गए 'Gang Bust 2.0' ऑपरेशन के तहत की गई। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में 12 से अधिक आपराधिक गिरोहों के कुल 1014 ठिकानों पर छापेमारी की गई। 48 घंटे तक चले इस अभियान में 481 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने 130 पिस्टल, 214 कारतूस, 79 चाकू, करीब 19 किलो अवैध ड्रग्स, 1234 क्वार्टर अवैध शराब, 24 वाहन और लगभग 19 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं।

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल मामले की आगे जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि शहजाद भट्टी मॉड्यूल और ढ्ढस्ढ्ढ से जुड़े अन्य संभावित नेटवर्क की पहचान की जा रही है, ताकि किसी भी बड़ी सुरक्षा घटना को समय रहते रोका जा सके।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कोलकाता स्थित दक्षिणेश्वर काली मंदिर में पूजा-अर्चना की।

अगले 5 दिनों में फिर तीखे होंगे गर्मी के तेवर, कई राज्यों में लू को लेकर अलर्ट

नईदिल्ली,(आरएनएस)। मई में भीषण गर्मी की बजाय अंधड़-बारिश के कारण मौसम में उलटफेर देखा जा रहा है। सुबह-शाम मौसम सुहाना बना हुआ है, जबकि दोपहर में तेज धूप निकल रही है।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने उत्तर प्रदेश और बिहार सहित 11 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और सिक्कम में भारी बारिश हो सकती है।

आईएमडी के अनुसार, 10 से 13 मई के बीच उत्तर-पश्चिम भारत के पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में बारिश-अंधड़ का नया दौर शुरू होगा। इस दौरान बिजली गिरने और 40-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ ही बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में भी मौसम खराब होने की संभावना बनी हुई है। इसके अलावा पूर्वोत्तर राज्यों में भी कई जगह भारी बारिश का अनुमान जताया गया है।

पिछले दिनों मौसम में आए बदलाव से दिल्ली समेत एनसीआर मौसम सुहावना बना हुआ था, लेकिन अब लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग ने 8-12 मई के बीच भीषण गर्मी पड़ने का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तापमान में 2-3 डिग्री तक की बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिससे अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच सकता है। दोपहर के समय लू भी चल सकती है।

अभी तक किसानों को उपार्जित गेहूँ का 10403.17 करोड़ रुपये हुआ भुगतान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गेहूँ उपार्जन की कर रहे सतत मॉनीटरिंग

भोपाल ,(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन और सतत मॉनीटरिंग तथा उपार्जन केन्द्रों के औचक निरीक्षण के परिणामस्वरूप गेहूँ की उपार्जन प्रक्रिया सुगमता से जारी है। किसानों को समय पर उपार्जित गेहूँ का भुगतान हो रहा है। अभी तक किसानों को 10403.17 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। गेहूँ का उपार्जन 23 मई तक होगा।

9.38 लाख किसानों से 56.45 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 9 लाख 38 हजार किसानों से 56 लाख 45 हजार मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। उन्होंने बताया है कि तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक तथा देयक जारी करने का समय रात 12 तक कर दिया गया है। गेहूँ का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन सोमवार से शनिवार तक किया जाता है।प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल कांटों की संख्या में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही एनआईसी सर्वर की क्षमता एवं संख्या में वृद्धि कराई गई। खाद्य विभाग द्वारा प्रति घंटा उपार्जन की मॉनीटरिंग की जा रही है।मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिए पीने का पानी, बैठने के लिए छायादार स्थान, जन सुविधाए आदि की व्यवस्थाएँ की गई हैं। किसानों के उपज की तौल समय पर हो सके, इस हेतु समस्त आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं। इसमें बारदाने, तौल कांटे, हम्माल तुलावटी, सिलाई मशीन, कम्प्यूटर, नेट कनेक्शन, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण, उपज की साफ सफाई के लिए पंखा, छन्ना आदि की व्यवस्था की गई है। उपार्जन केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं के फोटोग्राफ्स भारत सरकार के

PCSAP पोर्टल पर अपलोड करने की कार्यवाही की जा रही है।किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है। उपार्जित गेहूँ की भर्ती जूट बारदाने के साथ साथ PP/HDP बेग एवं जूट के एक भर्ती बारदाने का उपयोग किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये भण्डारण की पर्याप्त व्यवस्था की गई, जिससे उपार्जित गेहूँ का सुरक्षित भण्डारण किया जा सके।मैं ट्रॉली में गेहूं लेकर आया था और मात्र 10 मिनट में मेरी ट्रॉली खाली हो गई। यहाँ पानी, बैठने और अन्य सभी सुविधाओं की बहुत अच्छी व्यवस्था है। आराम से बैठ सकते हैं, किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती। रामचरण अन्ना, ग्राम रामकोटहमारी पंचायत में भी सायलो की व्यवस्था है। हम यहाँ ट्रॉली खाली कराने

सोफिया मामले में सुप्रीम कोर्ट से मोहन सरकार को फटकार

-विजय के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने में इतनी देरी क्यों

नई दिल्ली,(ए.)। नई दिल्ली में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश सरकार को कड़ी फटकार लगाकर पूछा कि आखिर आदिवासी मामलों के मंत्री कुंवर विजय शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने में इतनी देरी क्यों हो रही है। यह मामला भारतीय सेना की अधिकारी सोफिया कुरैशी के खिलाफ की गई विवादित टिप्पणियों से जुड़ा है। कर्नल कुरैशी ने बीते वर्ष 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान मीडिया को जानकारी दी थी और उसी संदर्भ में मोहन सरकार में मंत्री विजय शाह के बयान पर विवाद खड़ा हुआ था। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने मध्यप्रदेश सरकार से पूछा कि सुप्रीम कोर्ट के पहले दिए गए आदेश का पालन क्यों नहीं हुआ। शीर्ष अदालत ने पहले ही निर्देश दिया था कि दो सप्ताह के भीतर अभियोजन की मंजूरी पर फैसला लिया जाए, लेकिन मोहन सरकार अब तक कोई स्पष्ट निर्णय नहीं ले सकी। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि शाह की टिप्पणियां दुर्भाग्यपूर्ण थीं। उन्होंने दलील दी कि संभवत: मोहन सरकार के मंत्री का उद्देश्य कर्नल कुरैशी की तारीफ करना था, लेकिन वे अपनी बात सही तरीके से नहीं रख सके। हालांकि सुप्रीम कोर्ट इस तर्क से संतुष्ट नहीं हुआ। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। पीठ ने टिप्पणी की कि राजनेता सार्वजनिक बयान देते समय बेहद सावधान रहते हैं और उन्हें पता होता है कि अपनी बात कैसे रखनी है। अदालत ने कहा कि अगर यह वास्तव में जुबान फिसलने का मामला होता, तब तुरंत माफी मांगी जाती।

डीआरडीओ ने बनाया ताराः एक मॉड्यूलर रेंज एक्सटेंशन किट

डीआरडीओ और आरसीआई ने मिलकर तैयार किया

नई दिल्ली,(ए.)। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने ओडिशा के तट पर टैक्टिकल एडवांस्ड रेंज ऑग्मेंटेशन (टीएआरए) हथियार का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया। केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को इस ऐतिहासिक परीक्षण की जानकारी साझा की।तारा (तारा) एक मॉड्यूलर रेंज एक्सटेंशन किट है। यह भारत की पहली ऐसी स्वदेशी प्रणाली है जो सामान्य वारहेड्स को सटीक-निर्देशित हथियारों में बदलने की ताकत रखती है।तारा को हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) और अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं

द्वारा तैयार किया गया है। यह कम लागत वाले हथियारों की मारक क्षमता और सटीकता को बढ़ाकर जमीन पर स्थित लक्ष्यों को नष्ट करने में सक्षम है। यह अत्याधुनिक और किफायती प्रणालियों का उपयोग करने वाला पहला ग्लाइड हथियार है। इस किट का विकास डेवलपमेंट कम प्रोडक्शन पार्टनर्स (डीसीपीपी) और अन्य भारतीय उद्योगों के सहयोग से किया गया है, जिन्होंने इसका उत्पादन भी शुरू कर दिया है।केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ, वायु सेना और उद्योग भागीदारों को बधाई दी। उन्होंने तारा के सफल परीक्षण को भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण विकास बताया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी. कामत ने भी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से जुड़ी पूरी टीम की सराहना की।

1.19 लाख स्कूलों में बिजली नहीं, लड़कियों के लिए शौचालय नहीं- नीति आयोग की रिपोर्ट

नईदिल्ली(आरएनएस)। देशभर के सरकारी स्कूलों की हालत कितनी खराब है, यह खुलासा नीति आयोग की रिपोर्ट में हुआ है।रिपोर्ट के मुताबिक, नीति आयोग की सरकारी स्कूल शिक्षा एवं अवसंरचना रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में हजारों स्कूल ऐसे हैं, जहां शिक्षक और प्रयोगशाला तो छोड़िए, बिजली-पानी और शौचालय तक नहीं है। साथ ही, कई राज्यों में कक्षा 5 के बाद छात्रों की पढ़ाई छोड़ना बड़ी समस्या बना हुआ है।आयोग की भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली शीर्षक नाम की रिपोर्ट के मुताबिक, देश के 98,592 स्कूलों में लड़कियों के लिए कार्यात्मक शौचालय नहीं हैं, जबकि 61,540 स्कूलों में उपयोग योग्य शौचालय नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 10 साल में स्कूलों में बिजली की उपलब्धता 55 प्रतिशत से बढ़कर 91.9 प्रतिशत हुई है।

बंगाल की जनता का विश्वास नहीं टूटेः अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने टेका दक्षिणेश्वर काली के दरबार में मत्था

कोलकाता, (आरएनएस)। जहां एक ओर तमाम कथित भाजपा नेता, कर्मी व समर्थक बंगाल प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के निर्देश को पलीता दिखाकर बंगाल में भाजपा सरकार के गठन से पहले ही 4 तारीख की दोपहर तक तृणमूल रहने वालों व समाज कंटकों को पार्टी में शामिल कर रहें हैं। वहीं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज कोलकाता में साफ तौर पर कहा कि, भाजपा नेता जनता के भरोसे की रक्षा करे और वह लोग याद रखे की बंगाल की जनता विश्वास नहीं टूटे। न्यू टाउन स्थित बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में बोलते हुए शाह ने साफ कर दिया कि, पार्टी नेताओं को जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए काम करना चाहिए और लोगों का भरोसा नहीं टूटे। अमित शाह ने बंगाल की जनता को भाजपा को पहली बार राज्य में सरकार बनाने का अवसर देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने राज्य में राजनीतिक हिंसा के दौरान जान गंवाने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि पिछले कुछ वर्षों में 321 भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपनी जान गंवाई है। शाह ने टिप्पणी की कि पश्चिम बंगाल और केरल में हुए चुनावों में देश के अन्य हिस्सों की तुलना में राजनीतिक हिंसा का स्तर कहीं अधिक था। शाह ने विधानसभा चुनावों के दौरान चुनाव आयोग की भूमिका का बचाव भी किया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों द्वारा लगाए गए आरोपों के बावजूद, राज्य में 93 प्रतिशत मतदान हुआ, जो स्वतंत्रता के बाद से सबसे अधिक है।

जम्मू कश्मीर में आया भूकंप, लोग घरों से बाहर निकले

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में शुक्रवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 मापी गई।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, पर्वतीय जिले में सुबह 9.57 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए. भूकंप का केंद्र सतह से 10 किलोमीटर नीचे, 33.289 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 76.739 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था।

भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है. लेकिन भूकंप के झटके महसूस करने के बाद लोग घरों से बाहर आ गए. हालांकि प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

बरगी क्रूज हादसे में नए खुलासे

- पायलट ने विभाग पर लगाए गंभीर आरोप

जबलपुर (ए.)। बरगी बांध में हुए क्रूज हादसे की जांच के दौरान नए खुलासे सामने आ रहे हैं। कलेक्ट्रेट में बयान देने पहुंचे क्रूज पायलट महेश पटेल ने पर्यटन विभाग और प्रबंधन पर गंभीर

आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि क्रूज के इंजन में खराबी की जानकारी पहले ही विभाग को दे दी गई थी, लेकिन सुधार करने के बजाय शिकायत करने वालों पर कार्रवाई की गई।

पायलट के अनुसार अक्टूबर 2025 में मैकल रिसॉर्ट के तत्कालीन मैनेजर सुनील मरावी ने भोपाल स्थित पर्यटन विभाग को पत्र लिखकर बताया था कि क्रूज के एक इंजन की क्षमता कम हो गई है और दूसरा इंजन भी कभी भी बंद हो सकता है। इसके बावजूद तकनीकी खराबी दूर नहीं की गई। आरोप है कि शिकायत करने वाले मैनेजर को ही सस्पेंड कर दिया गया।

महेश पटेल ने हादसे के बाद खुद पर लगे भागने के आरोपों को भी गलत बताया। उन्होंने कहा कि हादसे के समय तेज लहर के कारण वह खुद पानी में बह गए थे। पायलट का कहना है कि उन्होंने यात्रियों को लाइफ जैकेट पहनने के लिए कहा था, लेकिन कई लोगों ने इसे नजरअंदाज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट कर्नाटक के एक कांग्रेस विधायक की याचिका पर विचार करने पर सहमत

नई दिल्ल(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को कर्नाटक कांग्रेस नेता टीडी राजे गौड़ा की उस याचिका पर विचार करने के लिए सहमत हो गया, जिसमें उन्होंने कर्नाटक हाईकोर्ट के हाल ही में दिए गए वोटों की दोबारा गिनती के आदेश के बाद राहत मांगी थी. इसके कारण उन्हें कर्नाटक के श्रृंगेरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक के पद से हटा दिया गया था।

गौड़ा की ओर से पेश सीनियर वकील देवदत्त कामत ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच के सामने इस मामले का जिक्र किया. गौड़ा ने कर्नाटक हाई कोर्ट के 6 अप्रैल के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें 2023 के विधानसभा चुनाव में डाले गए पोस्टल बैलेट के रीवेरिफिकेशन और रीकाउंटिंग का निर्देश दिया गया था।

सीनियर वकील ने बेंच से मामले को 11 अप्रैल को अर्जेंट लिस्ट करने की रिक्वेस्ट की. कामत ने कहा कि हाई कोर्ट ने रीकाउंटिंग का आदेश देकर गलती की, जिसके कारण आखिरकार बीजेपी नेता डीएन जीवराज को श्रृंगेरी से विधायक चुना गया।

बेंच ने कहा कि वह जल्दी सुनवाई की रिक्वेस्ट पर विचार करेगी. जस्टिस कांत ने कहा, आमतौर पर हम ऐसे मामलों में स्टे का ऑर्डर देते हैं...लेकिन हम आपके मामले को देखेंगे। यह विवाद 2023 के कर्नाटक असेंबली इलेक्शन से शुरू हुआ, जहां राजे गौड़ा ने शुरू में जीवराज को 201 वोटों के मामूली मार्जिन से हराया था.हालांकि, जीवराज की फाइल की गई इलेक्शन पिटीशन पर कार्रवाई करते हुए हाईकोर्ट ने 6 अप्रैल को पोस्टल बैलेट के रीवेरिफिकेशन और रीकाउंटिंग का निर्देश दिया. पिछले हफ्ते हुई और आधी रात तक चली रीकाउंट एक्सरसाइज ने रिजल्ट को काफी बदल दिया।

भारतीय रेल ने उत्तर रेलवे के 1,478 रूट किलोमीटर पर कवच प्रणाली के विस्तार को दी मंजूरी

Loco Kavach Work

भोपाल (ए.)। रेल सुरक्षा को और मजबूत बनाने तथा रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में भारतीय रेल ने उत्तर रेलवे के अहम मार्गों पर स्वदेशी कवच ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम के विस्तार को मंजूरी दी है। इस परियोजना पर लगभग 362 करोड़ खर्च किए जाएंगे। इसके तहत फिरोजपुर और जम्मू मंडल के करीब 1,478 रूट किलोमीटर पर कवच प्रणाली स्थापित की जाएगी। परियोजना के अंतर्गत फिरोजपुर मंडल के शेष 1,012 रूट किलोमीटर पर लगभग 241 करोड़ की लागत से कवच लगाया जाएगा। वहीं जम्मू मंडल में जलंधर सिटी जंक्शन-जम्मू तवी-श्री माता वैष्णो देवी कटरा, बटाला जंक्शन-पठानकोट जंक्शन और बनिहाल-बारामूला सेक्शनों के लगभग 466 रूट किलोमीटर पर करीब 121 करोड़ की लागत से कवच प्रणाली स्थापित की जाएगी। इसके तहत रेलवे ट्रैक के किनारे स्थायी कवच सिस्टम लगाए जाएंगे। साथ ही, 40 मीटर ऊंचे संचार टावर और एंटीना इंफ्रास्ट्रक्चर भी विकसित किया जाएगा, ताकि सुरक्षा प्रणाली बेहतर और निर्बाध तरीके से कार्य कर सके। कवच भारत में विकसित एक स्वदेशी ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है, जो किसी भी आपात स्थिति में स्वत: ब्रेक लगाकर ट्रेन टक्कर जैसी घटनाओं को रोकने में मदद करता है। यह तकनीक लोको पायलट को सुरक्षित ट्रेन संचालन में सहयोग देती है, क्योंकि इसके माध्यम से लोकोमोटिव, सिग्नलिंग सिस्टम और ट्रैक पर लगे उपकरणों के बीच लगातार संपर्क बना रहता है। इन महत्वपूर्ण रेल मार्गों पर कवच प्रणाली लागू होने से ट्रेन संचालन और अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और सुगम बनेगा। भारतीय रेल 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प के तहत देशभर में कवच प्रणाली का तेजी से विस्तार कर रही है, जिससे रेलवे नेटवर्क को सुरक्षित, आधुनिक और तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जा सके।

बाल अधिकारों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : डॉ. शर्मा

डॉ. निवेदिता शर्मा ने बाल अधिकार संरक्षण आयोग का पदभार ग्रहण किया

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने आयोग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर बाल अधिकारों के संरक्षण और बच्चों से जुड़े मामलों के त्वरित निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। डॉ. निवेदिता शर्मा ने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा, सुरक्षा एवं उनके समग्र विकास के लिए आयोग संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। उन्होंने बाल संरक्षण से संबंधित शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किए जाने तथा बच्चों के हितों से जुड़े मामलों में समन्वय और सक्रियता के साथ कार्य किए जाने पर जोर दिया। बैठक में आयोग की कार्यप्रणाली, बाल संरक्षण से संबंधित योजनाओं एवं विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा भी की गई। अधिकारियों ने आयोग की गतिविधियों और कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की।

सौर संयंत्र स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वेंडर होंगे सम्मानित

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य किया जा रहा है। सरकार पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत घरों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का कार्य प्रतिबद्धतापूर्वक कर रही है। प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम अमनबीर सिंह बैंस ने बताया है कि निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सौर संयंत्र स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वेंडरों को सम्मानित किया जाएगा। एमडी श्री बैंस ने कहा कि जो वेंडर अपना कार्य ठीक प्रकार से नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। एमडी श्री बैंस ने विगत दिनों भोपाल मुख्यालय में प्रगति की समीक्षा कर सभी वेंडर्स कार्य में आने वाली दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बताया कि कार्य क्षेत्र में आने वाली सभी समस्याओं का समय रहते समाधान किया जाएगा जिससे कि सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा में हासिल किया जा सके। एमडी श्री बैंस ने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में एक लाख 21 हजार 392 घरों पर सौर संयंत्र स्थापित कर दिए गए हैं। सोलर सिस्टम स्थापित करने के लिए 847.13 करोड रुपए का अनुदान केंद्र सरकार द्वारा दिया गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक एक लाख 92 हजार 647 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं, आवेदन पत्रों पर त्वरित कार्यवाही कर संयंत्र स्थापित करने की कार्रवाई द्रुत गति से जारी है।

निर्माणाधीन विकास कार्यों के पूर्ण होने से जिले के विकास की बढ़ेगी रफ्तार : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

जर्जर शासकीय विद्यालयों को चिन्हित कर कराएं मरम्मत

शहडोल जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक हुई

भोपाल (ए.)। उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माणाधीन विकास कार्यों में तेजी लाकर उन्हें समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना अत्यंत आवश्यक है। विकास कार्यों के पूर्ण होने से शहडोल जिले के विकास को नई गति मिलेगी। उक्त निर्देश उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री शुक्ल ने सर्किट हाउस बाणसागर में आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में विभागीय अधिकारियों को दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शहडोल- उमरिया मार्ग, ब्यौहारी के विजयसोता पूल निर्माण में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शहडोल- उमरिया मार्ग, ब्यौहारी के विजयसोता पूल, भन्नी सिंचाई परियोजना जैसे अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कलेक्टर समय-सीमा की बैठक में अनिवार्य रूप से करें एवं जल्द से जल्द पूर्ण कर आमजन को उन सुविधाओं का लाभ दिलाए। उन्होंने कहा कि स्वीकृत विकास कार्यों को जमीनी स्तर पर कार्य करने की अत्यंत आवश्यकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य विभाग की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज एवं शहडोल जिले में निर्माणाधीन हेल्थ सेंटरो को यथाशीघ्र पूर्ण कर जनप्रतिनिधियों द्वारा शुभारंभ कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए की शहडोल जिले में संचालित शासकीय विद्यालय जो जर्जर हैं उन्हें सूचीबद्ध कर उनका मरम्मत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिले में बनाए जा रहे सांदीपनि विद्यालय के कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर जल्द से जल्द से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

कटनी बनेगा माइनिंग कैपिटल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सोने के साथ अब कटनी के बड़वारा में डोलोमाइट के भंडार-ब्लॉक्स आरक्षित

रोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का कटनी बनेगा राष्ट्रीय मॉडल

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का कटनी जिला देश के महत्वपूर्ण खनिज एवं औद्योगिक केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। चूना पत्थर, बॉक्साइट, लौह अयस्क, मार्बल और लेटराइट जैसे बहुमूल्य खनिजों से समृद्ध कटनी अब स्वर्ण अयस्क के साथ ही डोलोमाइट के विशाल भंडार खनन के लिये तैयार हैं। कटनी के बड़ेरा एवं बचरबाड़ा में 50 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्र में तीन बड़े डोलोमाइट ब्लॉक्स को माइनिंग कॉर्पोरेशन के पक्ष में आरक्षित किया गया है। इस निर्णय से कटनी में खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार को नई गति मिलेगी। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहाकि अब कटनी 'माइनिंग कैपिटल' के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि कटनी केवल 'चूना नगरी' तक सीमित नहीं

रहेगा, बल्कि यह खनिज आधारित औद्योगिक विकास, निवेश, रोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का राष्ट्रीय मॉडल बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खनिज संपदा के वैज्ञानिक, पारदर्शी और जनहितकारी उपयोग के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी को 'कनकपुरी' अर्थात 'स्वर्ण नगरी' के रूप में विकसित करने की परिकल्पना को विशेष महत्व दिया है। उन्होंने कहा कि कटनी की धरती केवल खनिज संपदा का भंडार नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की औद्योगिक प्रगति और आर्थिक शक्ति का नया आधार बन रही है।

कटनी की स्लीमनाबाद तहसील के इमलिया गांव, जिसे स्थानीय स्तर पर सुनाही के नाम से भी जाना जाता है। यहॉ पर लगभग 3.35 लाख टन से अधिक स्वर्ण अयस्क मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। यह खोज लगभग 50 वर्षों की लंबी भू-वैज्ञानिक प्रक्रिया और सर्वेक्षण के बाद की गई है। वर्ष 1974 में प्रारंभ हुए भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों के आधार पर इस क्षेत्र में स्वर्ण भंडार की संभावना व्यक्त की गई थी, जिसे अब वर्ष 2025-26 में अंतिम रूप दिया गया है।

सोने के साथ तांबा, जिंक, लेड और चांदी के भंडार

इमलिया क्षेत्र में केवल सोना ही नहीं, बल्कि तांबा, लेड, जिंक और चांदी जैसे बहुमूल्य खनिजों के भंडार भी पाए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज कटनी को देश के प्रमुख बहु-खनिज क्षेत्रों में स्थापित करेगी। इन खनिज संसाधनों का उपयोग प्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और उज्जैन से 7 बार के सांसद सत्यनारायण जटिया से उनके नई दिल्ली के निवास स्थान पर सौजन्य मुलाकात की।

मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल की वन एवं वन्य जीव संरक्षण प्रयासों की सराहना

टाइगर रिजर्व के अध्ययन के लिये कान्हा पहुँचा मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल

भोपाल (ए.)। मंडला जिले स्थित कान्हा टाइगर रिजर्व में मलेशियाई वन विभाग का 7 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल तीन दिवसीय अध्ययन भ्रमण पर पहुँचा है। मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल ने कान्हा में संचालित संरक्षण प्रयासों की सराहना करते हुए अपने देश में भी ऐसे मॉडल अपनाने में रुचि व्यक्त की। एपीसीसीएफ एल. कृष्णमूर्ति एवं फील्ड डायरेक्टर रवीन्द्र मणि त्रिपाठी ने प्रतिनिधिमंडल को अनाथ शावकों के पुनर्वास, ग्राम पुनर्स्थापन तथा पर्यटन प्रबंधन गतिविधियों का फील्ड भ्रमण कराया। मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल के भ्रमण के पहले दिन खटिया ईको सेंटर में वन्यजीव प्रबंधन, संरक्षण रणनीतियों, मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व और आधुनिक प्रबंधन पद्धतियों पर विस्तृत चर्चा सत्र आयोजित किया गया। चर्चा सत्र में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. एच.एस. नेगी, एपीसीसीएफ एल. कृष्णमूर्ति, फील्ड डायरेक्टर रवीन्द्र मणि त्रिपाठी, डिप्टी डायरेक्टर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शाम-ए-मौसीक़ी का आयोजन 11 मई को उज्जैन में

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, म.प्र. संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा सूफ़ी सम्मेलन के तहत शाम-ए-मौसीक़ी-गजलों एवं सूफ़ी कलाम की सांगीतिक प्रस्तुति का आयोजन 11 मई, शाम 7 बजे से अभिरंग नाट्यगृह, कालिदास संस्कृत अकादमी, यूनिवर्सिटी रोड, उज्जैन में होगा। उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने बताया कि मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद द्वारा आयोजित शाम-ए-मौसीक़ी केवल एक सांगीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी साझा तहजीब, सूफ़ी परंपरा और गजल की रूहानी विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का एक प्रयास है। सूफ़ी कलाम इंसानियत, मोहब्बत और आपसी भाईचारे का संदेश देता है, और संगीत उसकी सबसे प्रभावशाली अभिव्यक्ति है। हमें प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद द्वारा उज्जैन जैसे सांस्कृतिक नगर में यह आयोजन हो रहा है, जहाँ कला और अध्यात्म की समृद्ध परंपरा रही है। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश से समबन्ध रखने वाले देश के प्रतिष्ठित कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को गजल और सूफ़ी संगीत की एक यादगार शाम से रूबरू कराएंगे। प्रख्यात गजल गायक राजीव सिंह भोपाल, सुश्री वाणी साठे उज्जैन एवं अहमद रजा जावरा के नाम शामिल हैं।

टीटीई ने बुजुर्ग महिला के मुंह पर मुक्का मारा ऐसी कोच में चढ़ने से नाराज था, तत्काल उतरने कहा; नहीं मानी तो पीट-पीटकर दांत तोड़ दिए

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल में कुशीनगर एक्सप्रेस में 75 साल की बुजुर्ग महिला से टीटीई ने बेरहमी से मारपीट कर दी। आरोपी ने महिला के मुह पर घूंसा मारकर उसके दांत तोड़ दिए। दरअसल, नर्मदापुरम से वह भोपाल की यात्रा करने के लिए स्टेशन पहुंची थी। ट्रेन चलने के लिए तैयार हुई और बुजुर्ग सामने खड़े एसी कोच में चढ़ गई। एसी कोच में चढ़ने से टीसी भड़क गया। बुजुर्ग ने उसे कहा कि वह धीरे धीरे स्लीपर कोच में जा रही है। इस पर वह कहने लगा कि जल्दी निकलो। उन्होंने कहा कि मैं बुजुर्ग हूं और जल्दी जल्दी नहीं चल सकूंगी। इस पर वह भड़क गया और हाथ मोड़कर घूंसा मार दिया। घूंसा लगने से बुजुर्ग महिला का दांत टूट गया। रानी कमलापति स्टेशन पर ट्रेन पहुंचने के बाद बुजुर्ग महिला ने जीआरपी में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने टीटीई नदीम खान पर मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। पूरा घटनाक्रम 6 मई का है, जबकि शुक्रवार को आरोपी नदीम की गिरफ्तारी कर ली गई।

तत्काल निर्देश नहीं मानने से भड़का नदीम

जीआरपी रानी कमलापति थाने के प्रभारी एमएस सोमवंशी ने बताया कि सुशीला देवी(75) डी-6 पूर्वी रेलवे कॉलोनी भोपाल में रहती हैं। 6 मई को वह कुशीनगर एक्स से नर्मदापुरम से भोपाल की यात्रा कर रही थी। ट्रेन नर्मदापुरम से चलने को तैयार हो गई। ट्रेन छूटने के डर से सुशीला देवी एसी कोच में चढ़ गई। ट्रेन में सवार टीटीई नदीम खान ने महिला को तत्काल बोगी से उतरने का निर्देश दिया। सुशीला देवी ने कहा कि मेरी उम्र 75 साल है। मैं धीरे धीरे ही चल सकूंगी। यह बात सुनकर नदीम खान भड़क गया। उसने हाथ पकड़कर मोड़ दिया। विरोध करने पर उसने मुंह का घूंसा मारा था। जिससे दांत टूट गया और खून निकलने लगा। कुछ लोगों ने बीच बचाव करते हुए टीटीई से बचाया। बाद में उन्होंने अपने बेटे को घटना की जानकारी दी। बेटा ने जीआरपी को शिकायत की। जीआरपी की टीम सुशीला देवी और टीटीई को लेकर थाने पहुंची। वहां टीटीआई के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। महिला का बेटे भी टीटीई है।

मध्यप्रदेश पुलिस की नशे के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध लगातार कार्यवाहियां की जा रही हैं। इसी कार्यवाही के दौरान विभिन्न जिलों की पुलिस टीमों ने विगत एक सप्ताह में 83 लाख रूपए से अधिक के मादक पदार्थ एवं तस्करी में प्रयुक्त वाहन जब्त करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिले के थाना कोतवाली पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 500 ग्राम एमडी ड्रग्स एवं 500 ग्राम अफीम जब्त की गई। आरोपी द्वारा पुलिस से बचने के उद्देश्य से अवैध मादक पदार्थों को पानी की विद्युत मोटर की बॉडी में छुपाकर रखा गया था। कार्रवाई के दौरान लगभग 51 लाख 72 हजार रूपये की संपत्ति जब्त की है। एक अन्य कार्यवाही में थाना भावगढ़ पुलिस ने चेकिंग के दौरान कार्रवाई करते हुए एक विधि विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लेकर उसके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ निर्माण में प्रयुक्त 27 किलोग्राम एसिटिक एनहाईड्राइड एवं एक मोटरसाइकिल सहित लगभग 1 लाख 10 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है।

सांदीपनि विद्यालय के छात्र आराध्य ने बढ़ाया प्रदेश का मान

अंग्रेजी ओलंपियाड वर्ड पावर के बने राष्ट्रीय विजेता सचिव डॉ. संजय गोयल ने किया सम्मानित

भोपाल (ए.)। भोपाल के सांदीपनि विद्यालय गोविंदपुरा के कक्षा 5वीं के छात्र मास्टर आराध्य पाराशर ने 'वर्ड पावर चैम्पियनशिप' में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश एवं जिले का गौरव बढ़ाया है। छात्र आराध्य की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. संजय गोयल तथा राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया है। इस अवसर पर प्रदेश ओलंपियाड प्रभारी डॉ. आर. पी. त्रिपाठी, सांदीपनि विद्यालय गोविंदपुरा की प्राचार्या डॉ. पूनम अवस्थी, शिक्षिका ऋतु सक्सेना एवं आराध्य के अभिभावक उपस्थित रहे। विगत दिनों मुंबई में आयोजित 'वर्ड पावर चैम्पियनशिप' राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य स्तरीय विजेता विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष तीन चरणों में जन शिक्षा केंद्र, जिला एवं राज्य स्तर पर किया जाता है। मध्यप्रदेश में इस प्रतियोगिता का संचालन राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा किया जाता है। राज्य स्तर पर चयनित विद्यार्थियों के बीच राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन आयोजक संस्था 'लीप फॉर वर्ड' द्वारा मेरिको एवं निहार शांति पाठशाला के सहयोग से किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 2 से 5 तक के विद्यार्थी भाग लेते हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता विद्यार्थियों एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को प्रमाण-पत्र, ट्रॉली बैग, स्पीकर, स्पोर्ट्स किट सहित विभिन्न उपहार प्रदान कर सम्मानित किया जाता है।

भीषण गर्मी एवं हीटवेव को देखते हुए भोपाल मंडल द्वारा विशेष स्वास्थ्य जागरुकता अभियान

भोपाल, बीना, इटारसी, गुना सहित प्रमुख स्टेशनों पर वितरित किये गए ओआरएस पैकेट

भोपाल (निप्र)। मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, भोपाल डॉ अजय डोगरा के नेतृत्व में पश्चिम मध्य रेल भोपाल मंडल द्वारा रेलकर्मियों के स्वास्थ्य संरक्षण एवं जागरूकता के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत मंडल के विभिन्न स्थानों पर कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सहायता एवं परामर्श प्रदान किए जा रहे हैं। भोपाल मंडल चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा गार्ड एवं ड्रायवर लॉबी सहित भोपाल, बीना, इटारसी, गुना, शाजापुर एवं हरदा सेक्शन के विभिन्न रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों तथा रेलवे ट्रैक पर कार्यरत कर्मचारियों को ओ.आर.एस. के पैकेट वितरित किए जा रहे हैं। साथ ही कर्मचारियों को गर्मी एवं लू से बचाव के उपायों की जानकारी देकर जागरूक भी किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त आवधिक चिकित्सा परीक्षण हेतु रेल चिकित्सालय में आने वाले रनिंग स्टाफ को भी स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श दिए जा रहे हैं। चिकित्सा विभाग द्वारा कर्मचारियों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, धूप से बचाव हेतु सिर ढककर रखने, समय-समय पर विश्राम करने तथा शरीर में पानी की कमी नहीं होने देने की सलाह दी जा रही है। भोपाल मंडल द्वारा कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह अभियान लगातार जारी रखा जा रहा है, जिससे फील्ड में कार्यरत रेलकर्मियों को सुरक्षित एवं स्वस्थ कार्य वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

भोपाल में कैटरिंग गोदाम में आग...

18 सिलेंडर रखे थे: आग लगते ही सिलेंडर बाहर फेंके; पास में पेट्रोल पंप, बड़ा हादसा टला

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के करोंद क्षेत्र में शुक्रवार को बड़ा हादसा टल गया। रहवासी इलाके में स्थित कैटरिंग गोदाम में अचानक आग लग गई। यहीं पर 22 कमर्शियल गैस सिलेंडर रखे थे। जिन्हें तुरंत बाहर फेंका गया, वरना सिलेंडर में ब्लास्ट हो सकता था।घटना शाम करीब 5 बजे की है। निशातपुरा करोंद स्थित हैप्पी इंडेन गोडाउन के पास एक कैटरिंग गोदाम है। जहां पर लकड़ी और गद्दे में अचानक आग लग गई। गोदाम के अंदर से धुआं निकलते देख राहगीर पंकज यादव तुरंत अंदर पहुंचे।नगर निगम में फायर फाइटर पंकज ने कैटरिंग के सामान के साथ अंदर रखे खाली-भरे 22 सिलेंडरों को रहवासियों की मदद से बाहर

फिंकवाना शुरू किया। ताकि, सिलेंडर तक आग न पहुंच सके। आगजनी की जानकारी लगते ही गांधी नगर और छोटा फायर स्टेशन से दमकलें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। जिस गोडाउन में आग लगी, उससे करीब 100 मीटर की दूरी पर ही पेट्रोल पंप भी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यदि सिलेंडरों में ब्लास्ट होता तो आग की लपटें पंप तक भी पहुंच सकती थी, लेकिन फायर फाइटर पंकज की सुझ-बुझ की वजह से समय रहते सिलेंडरों को गोदाम से बाहर निकाल लिया गया ।

पश्चिम मध्य रेल महिला कल्याण संगठन ने श्रमिकों को किया सम्मानित

भोपाल मंडल के 4 रेलकर्मी किये गए सम्मानित

भोपाल (निप्र)। विश्व भर में 01 मई को अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी के उपलक्ष्य में पश्चिम मध्य रेल पर श्रमिकों के योगदान एवं उनके परिश्रम को रेखांकित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अंतर्गत कोटा, भोपाल एवं जबलपुर मण्डलों में कार्यरत ग्रुप डी के रेल कर्मचारियों को पश्चिम मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती ऋचा सिंह द्वारा सम्मानित किया गया। महिला कल्याण संगठन ने इंजीनियरिंग, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, परिचालन एवं संकेत एवं दूरसंचार के विभागों में कार्यरत ट्रैक मैन्टेनर, हेल्पर, सामान्य सहायकों, पॉइंट्स मैनों आदि को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कुल 15 रेलकर्मियों को सम्मानित किया। जिनमे भोपाल मंडल के 4 कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय की महिला कल्याण संगठन की उपाध्यक्ष श्रीमती

अर्चना खत्री, सचिव श्रीमती रेनू गौतम एवं ट्रेजरर श्रीमती शाहवार हाशमी सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्याएं भी उपस्थित रहीं। पश्चिम मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती ऋचा सिंह एवं संगठन के अन्य पदाधिकारियों द्वारा रेलवे के प्रति समर्पण भाव से एवं निष्ठापूर्वक कार्य करने वाले विभिन्न स्टेशनों तथा विभिन्न विभागों में काम करने वाले रेल कर्मचारियों के काम की सराहना की एवं प्रोत्साहन स्वरूप अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य पर शुक्रवार 08 मई 2026 को उन्हें सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर सभी रेलकर्मी खुश हुए।

विभिन्न विभागों में कार्यरत रेल कर्मियों की जानकारी इस प्रकार है :-

इंजीनियरिंग विभाग :-रवि स्वामी/ ट्रैक मैन्टेनर/भोपाल, बहादुर सिंह/ ट्रोलीमेन/मानिकपुर एवं छोटी बाई/राजमिस्त्री (मेसन)/ कटनी।

दूरसंचार एवं संकेत विभाग :- गंगाराम/ हेल्पर सिग्नल/ नरसिंहपुर, पन्नालाल अहिरवार/ हेल्पर सिग्नल/ रानी कमलापति एवं हरी दास/ हेल्पर टेलिकॉम/ बयाना।

इलेक्ट्रिकल विभाग:-रमेशचंद्र/ सहायक/ टीआरडी/ कोटा, प्यारी बाई/हेल्पर/इलेक्ट्रिकल/न्यू कटनी जंक्शन, रविंद्र कुमार वर्मा/सहायक/ इलेक्ट्रिकल/ जबलपुर।

एनीमिया मुक्त भारत स्कोरकार्ड 2025-26 में मध्यप्रदेश देश में प्रथम

स्वास्थ्य के प्रत्येक मानक में निरंतर सुधार के लिए संकल्पित होकर सरकार कर रही है कार्य : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) स्कोरकार्ड 2025-26 में 92.1 एएमबी इंडेक्स के साथ देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार और एनीमिया नियंत्रण की दिशा में प्रदेश सरकार की सतत प्रतिबद्धता और प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमाण है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम सहयोगी विभागों और मैदानी स्वास्थ्य अमले को बधाई दी है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार, पोषण सुदृढ़ीकरण तथा एनीमिया उन्मूलन के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित मध्यप्रदेश की आधारशिला हैं। प्रदेश सरकार स्वास्थ्य के प्रत्येक मानक में निरंतर सुधार के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सरकार ने स्वस्थ मध्यप्रदेश की ओर एक और सशक्त कदम बढ़ाते हुए भविष्य में भी जनस्वास्थ्य के सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन बनाए रखने का संकल्प दोहराया है। उन्होंने कहा कि एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रदेश में व्यापक जनजागरूकता, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, आयरन-फोलिक एसिड वितरण तथा पोषण संबंधी गतिविधियों को मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दे रहे हैं।

अस्पताल में असुरक्षित बचपनः इलाज के लिए भर्ती तीन साल की मासूम को मरीज ने बनाया हवस का शिकार, रोती रही बच्ची

सागर (ए.)। सागर शहर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां इलाज के लिए भर्ती तीन साल की मासूम बच्ची के साथ अस्पताल परिसर में ही दरिंदगी किए जाने की घटना ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। आरोप है कि अस्पताल में भर्ती एक मरीज ने सर्जिकल वार्ड में भर्ती मासूम को अपना शिकार बनाया। घटना सामने आने के बाद अस्पताल प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार बच्ची अपने परिजनों के साथ इलाज कराने के लिए बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज आई थी और सर्जिकल वार्ड में भर्ती थी। बताया जा रहा है कि घटना के समय बच्ची वार्ड में बने बाथरूम में गई थी। इसी दौरान पीछे से अस्पताल में भर्ती एक आरोपी मरीज भी बाथरूम में घुस गया। आरोप है कि आरोपी ने मासूम के साथ गलत हरकत की और घटना को अंजाम देने के बाद मौके से निकल

गया।

कुछ देर बाद बच्ची रोते हुए अपनी मां के पास पहुंची और इशारों व मासूमियत भरे शब्दों में पूरी घटना बताई। बच्ची की बात सुनकर परिजन घबरा गए और तुरंत अस्पताल प्रबंधन को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल में हड़कंप मच गया। अस्पताल प्रबंधन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की गई।

पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगालना शुरू कर दिया है ताकि आरोपी की गतिविधियों और घटना के पूरे क्रम की पुष्टि की जा सके। प्रारंभिक जांच में आरोपी की पहचान कर ली गई है। मामले में सागर सीएसपी ललित कुमार कश्यप ने बताया कि बच्ची की मां की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। उसे गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा और मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों में भी आक्रोश का माहौल है। लोगों का कहना है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होनी चाहिए, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

प्रधान आरक्षक ने पुलिस चौकी में ही लगाई फांसी, मानसिक तनाव की आशंका; SP बोले- वो ऑफड्यूटी थे

छतरपुर (ए.)। छतरपुर जिले के नौगांव बस स्टैंड स्थित पुलिस चौकी में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब चौकी के भीतर ही एक प्रधान आरक्षक का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस विभाग में सनसनी फैल गई और मौके पर वरिष्ठ अधिकारी पहुंच गए। घटना देर रात की बताई जा रही है। मृतक की पहचान तरुण गंधारक निवासी सागर के रूप में हुई है, जो नौगांव थाने में प्रधान आरक्षक पद पर पदस्थ था। उसकी उम्र करीब 35 से 40 वर्ष बताई जा रही है।

गरीबों की थाली में परोस रहे जहर, मुफ्त राशन में बदबूदार चावल मिलने से भड़के ग्रामीण

बुरहानपुर (ए.)। ग्राम घाघरला में सरकारी राशन की दुकान से मुफ्त योजना के तहत बांटे जा रहे चावल में बदबू, कीड़े और सड़न की शिकायत के बाद कई लोगों ने राशन लेने से इंकार कर दिया और प्रशासन से जांच व कार्रवाई की मांग की।

जिले के ग्राम घाघरला में सरकारी राशन वितरण व्यवस्था को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। मुफ्त राशन योजना के तहत वितरित किए जा रहे चावल की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। कई लोगों ने राशन दुकान पर ही चावल लेने से इंकार कर दिया और प्रशासन के खिलाफ विरोध जताया।

ग्रामीण महिला बारकी बाई ने आरोप लगाया कि गरीबों को जो चावल दिया जा रहा है, वह खराब, सड़ा हुआ और खाने योग्य नहीं है। वहीं चंद्रभान राठौड़ ने बताया कि चावल से बदबू आ रही है, दाने टूटे हुए हैं और उसमें मरे हुए कीड़े व इल्लियां तक दिखाई दे रही हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि ऐसा अनाज खाने से लोगों की तबीयत खराब हो सकती है और बीमारियां फैलने का खतरा है। राशन दुकान पर पहुंचे ग्रामीणों ने खराब चावल को अधिकारियों को दिखाने की मांग करते हुए कहा कि क्या ऐसा चावल कोई अपने घर में खा सकता है? ग्रामीण सोहनलाल ने कहा कि सरकार गरीबों के लिए मुफ्त राशन भेजती है ताकि जरूरतमंद परिवारों का पेट भर सके लेकिन यहां जो चावल दिया जा रहा है, वह पशुओं को खिलाने लायक भी नहीं है।

ग्रामीणों के अनुसार जब चावल के बोरे खोले गए तो उनमें से तेज बदबू आने लगी। कुछ लोगों ने दावा किया कि चावल काफी पुराना है और उसमें सड़न साफ दिखाई दे रही थी। लोगों ने आरोप लगाया कि लंबे समय से खराब अनाज गरीबों में बांटा जा रहा है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण राशन दुकान पर जमा हो गए और खराब चावल वापस लेने की मांग करने लगे। लोगों का कहना है कि गरीब परिवार सरकारी राशन पर निर्भर रहते हैं और यदि राशन ही खराब मिलेगा तो वे क्या खाएंगे? ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, चावल के नमूने जांच के लिए भेजने और दोषी सप्लायर व जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द अच्छी गुणवत्ता का राशन उपलब्ध नहीं कराया गया तो गांव के लोग आंदोलन करेंगे।

बरगी हादसे के बाद भी लापरवाही! टमस नदी में बिना लाइफ जैकेट चल रहीं नावें, रोज खतरे में लोग

रीवा (ए.)। जबलपुर के बरगी डैम में हुए दर्दनाक क्रूज हादसे में कई लोगों की मौत के बाद भी रीवा जिला प्रशासन अब तक सबक लेता नजर नहीं आ रहा है। बरगी हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था, लेकिन इसके बावजूद त्योंथर तहसील के टमस नदी स्थित चिल्ला घाट पर खुलेआम सुरक्षा नियमों की अनदेखी की जा रही है।

बिना सुरक्षा इंतजाम के चल रहीं नावें

चिल्ला घाट पर नावों का संचालन बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के किया जा रहा है। नाव में सफर कर रहे लोगों को न तो लाइफ जैकेट दी जा रही है और न ही अन्य सुरक्षा उपाय किए गए हैं। स्थिति यह है कि स्थानीय लोग, महिलाएं, पुरुष और कॉलेज के छात्र-छात्राएं रोज अपनी जान जोखिम में डालकर नदी पार करने को मजबूर हैं।

एक नाव में बैठाए जा रहे 10 से 15 लोग

स्थानीय लोगों के मुताबिक एक नाव में 10 से 15 लोगों को बैठाकर खतरनाक तरीके से नदी पार कराई जा रही है। ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों का कहना है कि बरगी डैम हादसे के बाद प्रशासन को ज्यादा सतर्क होना चाहिए था, लेकिन यहां हालात पहले जैसे ही बने हुए हैं।

भाई बना भाई का दुश्मनः ताऊ और भतीजे के बीच छिड़ा 'युद्ध', महिलाओं पर भी बरसे डंडे; 8 लोग लहूलुहान

शाजापुर (ए.)। शाजापुर जिले के शुजालपुर के पास ग्राम फुलेन में जमीन विवाद ने उस समय हिंसक रूप ले लिया, जब सीमांकन कराने पहुंचे दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। तहसीलदार के आदेश पर सीमांकन के लिए पहुंचे सरकारी अधिकारियों के सामने ही दोनों पक्षों के लोग लाठी-डंडों और तलवारों के साथ भिड़ गए। इस हिंसक झड़प में आठ लोग घायल हो गए, जिनमें से कई लोग लहूलुहान हो गए।

दो भाइयों के जमीन बंटवारे को लेकर हुआ विवाद

बताया जा रहा है कि विवाद दो भाइयों के जमीन हिस्से के बंटवारे को लेकर था। फुलेन गांव में जमीन का सीमांकन करवाने के लिए इंदौर से अमन पंवार अपने पिता के हिस्से की जमीन की नपाई कराने अपनी बहनों के साथ पहुंचे थे। इसी दौरान रिश्ते में ताऊ लगने वाले अशोक पंवार और उनके परिवार के लोगों से उनका विवाद हो गया। एक पक्ष का कहना था कि मामला कोर्ट में चल रहा है, फिर सीमांकन के लिए यहां क्यों आए।

देखते ही देखते शुरू हुई मारपीट

बहस बढ़ते-बढ़ते हिंसक झड़प में बदल गई और दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। इस दौरान तलवारें भी लहराई गईं। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना में सात लोग घायल हुए हैं, जिनमें से चार की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

दोनों पक्षों पर केस दर्ज

घटना के बाद अकोदिया पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। इंदौर निवासी अमन पंवार की शिकायत पर छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है, जबकि दूसरे पक्ष के फुलेन निवासी आकाश की शिकायत पर अमन पंवार समेत सात लोगों पर मामला दर्ज हुआ है। पुलिस ने कुल छह महिलाओं के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया है।

विवाद के बाद लौट गए सरकारी अधिकारी

दोनों पक्षों के बीच हिंसक संघर्ष शुरू होने के बाद मौके पर मौजूद सरकारी अधिकारी और कर्मचारी बिना सीमांकन किए ही वापस लौट गए। हालांकि इस घटना में कोई सरकारी कर्मचारी घायल नहीं हुआ। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे को लाठी-डंडों से पीटते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में महिलाएं भी आपस में भिड़ती नजर आ रही हैं। इसके बाद पुरुषों ने भी महिलाओं के साथ मारपीट की। कुछ लोग बीच-बचाव करते और लड़ाई रोकने की कोशिश करते दिखाई दिए, लेकिन दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमला करने से नहीं रुके। माहौल इतना तनावपूर्ण हो गया कि लोग एक-दूसरे की जान लेने पर उतारू नजर आए।

व्यापार समाचार

अदालत के फैसले से ट्रंप के टैरिफ को बड़ा झटका, क्या भारत को व्यापार समझौते से पीछे हट जाना चाहिए?

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिका के व्यापारिक फैसलों में इन दिनों भारी उथल-पुथल मची हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दुनिया भर पर लगाए गए नए 10 प्रतिशत टैरिफ को अमेरिकी संघीय अदालत ने अमान्य और गैर-कानूनी करार दे दिया है। इस एक फैसले ने ट्रंप प्रशासन की व्यापार नीतियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं और पूरी दुनिया के साथ-साथ भारत के लिए भी एक अनिश्चितता का माहौल बना दिया है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या अमेरिका में चल रही इस कानूनी खींचतान के बीच भारत को अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए? आइए इस पूरे विषय को आसान सवालों और जवाबों के जरिए समझते हैं।

सवालः अमेरिकी अदालत ने ट्रंप के टैरिफ पर क्या फैसला सुनाया है?

जवाबः अमेरिकी संघीय अदालत ने सात मई को दो-एक के बहुमत से दिए गए एक अहम फैसले में

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए 10 प्रतिशत के वैश्विक टैरिफ को कानून के खिलाफ बताते हुए रद्द कर दिया है। ट्रंप ने ये टैरिफ 24 फरवरी को 150 दिनों के लिए लागू किए थे, जो अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनके पहले के करों को रद्द करने के ठीक बाद लगाए गए थे। अदालत का मानना है कि ट्रंप प्रशासन ने इन करों को लगाकर 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 122 के तहत कांग्रेस द्वारा दी गई शक्तियों का उल्लंघन किया है।

सवालः अदालत के इस फैसले का भारत और अमेरिका के व्यापार समझौते पर क्या असर होगा?

जवाबः व्यापार विशेषज्ञों का स्पष्ट मानना है कि अमेरिकी अदालतों में ट्रंप प्रशासन को मिल रहे इन झटकों के कारण अमेरिका की टैरिफ व्यवस्था में भारी अनिश्चितता पैदा हो गई है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव के अनुसार, जब तक अमेरिका अपनी व्यापार प्रणाली को कानूनी रूप से स्थिर और भरोसेमंद नहीं बना लेता, तब तक भारत को द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए इंतजार करना चाहिए। उन्होंने आगाह किया है कि अमेरिका अपने मोस्ट-फेवर्ड-नेशन (एमएफएन) टैरिफ को कम करने के लिए तैयार नहीं है, लेकिन वह चाहता है कि भारत अपने आयात शुल्क खत्म कर दे। ऐसी स्थिति में भारत द्वारा किया गया कोई भी समझौता एकतरफा हो सकता है, जहां भारत को बाजार तक पहुंच देने के बदले कोई सार्थक लाभ नहीं मिलेगा।

रुपया 45 पैसे टूटकर 94.67 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया 27 पैसे की बढ़कर 94.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई (ए.)। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 45 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.67 पर पहुंच गया।अमेरिका और ईरान की सेनाओं के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के पास गोलीबारी की खबरों के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 101.00 डॉलर प्रति बैरल होने से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ईरान के अमेरिका पर युद्धविराम उल्लंघन का आरोप लगाने और अमेरिका के जवाबी हमले करने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य और नागरिक क्षेत्रों में हुए जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि युद्धविराम अब भी लागू है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.58 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में टूटकर 94.67 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 45 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया गुरुवार को शुरुआती नुकसान की भरपाई करते हुए 27 पैसे की बढ़त के साथ 94.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.20 पर रहा।

डॉलर के दबदबे को चुनौतीः चीनी युआन के बढ़ते प्रभाव ने बढ़ाई अमेरिका की चिंता, ट्रंप प्रशासन को मिली चेतावनी

वॉशिंगटन(ए.)। अमेरिकी सीनेटरों के एक समूह ने अमेरिकी डॉलर को दुनिया की रिजर्व करेंसी का दर्जा देने के लिए एक प्रस्ताव फिर से पेश किया है। सीनेटरों ने चेतावनी दी है कि चीन, युआन के आस-पास एक दूसरी वैश्विक वित्तीय व्यवस्था बनाने की कोशिशें तेज कर रहा है। अमेरिकी सीनेटर्स के इस समूह में दोनों दलों के सांसद शामिल हैं। टेड बड और जीन शाहीन द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि युआन को अंतरराष्ट्रीय बनाने की बीजिंग की कोशिश से अमेरिका और उसके साथियों के लिए आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का खतरा है।

अमेरिकी सांसदों ने युआन के बढ़ते प्रभाव पर क्या कहा?

प्रस्ताव के साथ जारी एक बयान में बड ने कहा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार में लगातार सहयोग और लगातार सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि अमेरिकी डॉलर ग्लोबल रिजर्व करेंसी के तौर पर अपना स्टेटस बनाए रखे। उन्होंने कहा, वर्षों से, चीन, अमेरिका और हमारे साझेदारों की आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को निशाना बनाते हुए अपने वैश्विक वित्तीय असर को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

सोना 800 रुपए महंगा, चांदी भी 3,300 रुपए उछली

- सोना 1,53,1 के पार

नई दिल्ली (ए.)। सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार के कारोबार में जोरदार तेजी दर्ज की गई। बाजार खुलते ही चांदी के भाव 3,300 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गए, जबकि सोने की कीमत में भी 800 रुपये से अधिक की वृद्धि देखने को मिली, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। एमसीएक्स पर 3 जुलाई डिलीवरी वाली चांदी ने मजबूत शुरुआत की। पिछले सत्र में 2,58,540 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद होने के बाद, यह आज 2,59,999 रुपये पर खुली और शुरुआती कारोबार में 3,271 रुपये की तेजी के साथ 2,61,811 रुपये तक पहुंच गई। सुबह शुरुआत में यह 2,523 रुपये की बढ़त के साथ 2,61,063 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। इसी तरह 5 जून की डिलीवरी वाले सोने की कीमतों में भी उछाल आया। पिछले सत्र में 1,52,261 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद होने के बाद, यह 1,52,672 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में सोना 842 रुपये की तेजी के साथ 1,53,103 रुपये तक पहुंचा। सुबह शुरुआत में 576 रुपये की बढ़त के साथ 1,52,837 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था। हाजिर बाजार का मिलाजुला रुख- हालांकि, हाजिर सर्राफा बाजार में सोने की चाल एमसीएक्स के विपरीत रही। 24 कैरेट सोना 320 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,680 रुपये पर कारोबार कर रहा था। वहीं 22 कैरेट सोना 300 रुपये गिरकर 1,39,950 रुपये और 18 कैरेट सोना 240 रुपये की कमी के साथ 1,14,510 रुपये पर आ गया। दूसरी ओर, हाजिर चांदी में 5,000 रुपये की बड़ी तेजी दर्ज की गई और यह 2,75,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

निजी बैंक बनेंगे दूसरे बैंकों की ताकत- RBI के इस फैसले से कारोबार में बढ़ेगी पारदर्शिता; जानें पूरा मामला

नई दिल्ली (ए.)। अब निजी क्षेत्र के बड़े बैंक सिर्फ ग्राहकों की संख्या और मुनाफे की होड़

तक सीमित नहीं रह गए हैं बल्कि एक-दूसरे के कारोबार और पूंजी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में भी कदम बढ़ा रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हालिया फैसले इसी बदलाव की ओर इशारा करते हैं। आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक को अन्य बैंकों में हिस्सा बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। एचडीएफसी बैंक को अपने समूह की अन्य कंपनियों के साथ आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक में कुल 9.95 फीसदी तक हिस्सेदारी रखने की अनुमति मिली है। एचडीएफसी बैंक समूह में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी लाइफ, एचडीएफसी एर्गो, एचडीएफसी पेंशन फंड और एचडीएफसी सिक्योरिटीज जैसी कंपनियां शामिल हैं। इसी तरह कोटक महिंद्रा बैंक अब एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और फेडरल बैंक में 9.99 फीसदी तक हिस्सेदारी रख सकता है।

वैश्विक दबाव से गिरावट पर खुले शेयर बाजार

- सेंसेक्स 350 अंक टूटकर 77,496 पर, निफ्टी 50 भी 24,233 पर

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत शुक्रवार को ग्लोबल बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों और पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के चलते कमजोर रही। घरेलू निवेशकों की धारणा पर इसका सीधा असर दिखा, जिसके चलते शुरुआती कारोबार में प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान में ट्रेड करते नजर आए। सुबह की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 77,631 के स्तर पर खुला, लेकिन खुलने के तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बढ़ गया। सुबह करीब 9-24 बजे तक सेंसेक्स 347 अंकों की गिरावट के साथ 0.45 प्रतिशत टूटकर 77,496 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 24,233 के स्तर पर कमजोर खुला। शुरुआती ट्रेड में निफ्टी 112 अंक गिरकर 24,216 के करीब पहुंच गया। अन्य प्रमुख इंडेक्स में भी भारी कमजोरी देखने को मिली।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

दुर्भाग्यपूर्ण सूरत में तब्दील

वेदांता कंपनी के बिजली संयंत्र में बॉयलर फटने से कम-से-कम 14 मजदूर मारे गए और 30 से ज्यादा कर्मचारी घायल हो गए। अनुमान लगाया जा सकता है कि ये खबर मीडिया में महज एक दिन की सुर्खी बन कर रह जाएगी।भारत सरकार की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नीति किस तरह मजदूरों के लिए ईज ऑफ डाइंग की दुर्भाग्यपूर्ण सूरत में तब्दील हो गई है, उसकी एक ताजा मिसाल छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में हुआ हादसा है। सिंघीतराई में स्थित वेदांता कंपनी के बिजली संयंत्र में मंगलवार को बॉयलर फटने से कम-से-कम 14 मजदूरों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा कर्मचारी घायल हो गए। अनुमान लगाया जा सकता है कि ये खबर मीडिया में महज एक दिन की सुर्खी बन कर रह जाएगी। ना तो नीति-निर्माता, ना मीडिया कर्मी और ना ही सामाजिक कार्यकर्ता ये सवाल उठाने की जरूरत महसूस करेंगे कि आखिर ऐसी औद्योगिक दुर्घटनाओं की संख्या हाल के वर्षों में क्यों बढ़ती चली गई है ?सिर्फ 2026 पर नज़र डालें, तो अब तक कारखानों में कम-से-कम ऐसे सात बड़े हादसे हुए हैं, जिनमें मजदूरों की जान गई है। ये दुर्घटनाएं छत्तीसगढ़ से लेकर मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, महाराष्ट्र, और आंध्र प्रदेश तक में हुईं। बीते हफ्ते तेलंगाना में एक रासायनिक कारखाने में भीषण विस्फोट हुआ, हालांकि उसमें किसी जान नहीं गई। हलकी आग, छत गिरने या गैस लीक होने जैसी ऐसी घटनाओं की सूची तो लंबी है, जिनमें हताहत होने वाले मजदूरों की संख्या सीमित रहती है। सिर्फ छत्तीसगढ़ में 2024 से 2026 में अब तक औद्योगिक हादसों में 296 मजदूरों की जान गई है। एक अध्ययन के मुताबिक देश में हर रोज औसतन तीन श्रमिकों की जान औद्योगिक हादसों में जाती है। इनमें से ज्यादातर मामलों को मामूली मुआवजा देकर निपटा दिया जाता है। मगर हादसों की जड़ में जाने और उसके लिए प्रबंधन को जवाबदेह बनाने की चर्चा शायद ही कभी सुनने को मिलती हो। कानून की किताब में ऐसे प्रावधान हों भी, तो ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के जमाने पर उन्हें गंभीरता से लेने का चलन नहीं रहा। स्पष्टत: कारोबार में ये आसानी श्रमिकों की कीमत पर है। अत: याद रखना चाहिए कि ऐसी कारोबारी आसानी से निवेशकों को मुनाफा बढ़ाने में भले आसानी होती हो, उससे फूलता- फलता उपभोक्ता बाजार तैयार नहीं हो सकता। ना ही ये कारोबारी संस्कृति आम खुशहाली का आधार बन सकती है।

सोमनाथः भारत की अजेय आत्मा का प्रतीक!

नरेंद्र मोदी

जय सोमनाथ ! वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनूभूति कराता है। इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है।

हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है: प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा।

यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया था। कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा। बड़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की। इसके साथ ही हमारी यह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है। उनके साहस और बलिदान को आज भी याद किया जाता है।

1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी- सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, ''इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी।'' उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया।

दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस किया जाता रहा है। उनके विजन को के.एम. मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का समर्थन मिला। 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया।

मुझे अक्टूबर 2001 का वह समय आज भी अच्छे से याद है, जब मैंने मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था। 31 अक्टूबर 2001 को, सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर गुजरात सरकार ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन किया। इसी समय सरदार पटेल की 125वीं जयंती भी मनाई जा रही थी। इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और तत्कालीन गृहमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी की मौजूदगी ने इसे और भी गरिमापूर्ण बना दिया।

11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण से सरदार पटेल का सपना साकार हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सरदार पटेल की भावनाओं के अनुरूप लोगों के जीवन में समृद्धि भी लानी होगी।

कविता,

संजीव-नी।

झिझकता रहता हूं मुस्कुराने से ।
छलक ना जाए गम इसी बहाने से
यूं ही झिझकता रहता मुस्कुराने से ।

रोज हिचकियां बहुत आती होगी
मैं कर रहा हूं याद इक जमाने से।

दुनिया में ऐसा कोई इंसान नहीं आज
जिसे परहेज न हो हमें गले लगाने से।

यहां पर मिलते हैं कद्र-दान बहुतेरे
टूटा दिल कहां जाए इस मयखाने से।

उसने कब समझा मेरे जज्बातों को
कब से लगा है वो मुझे आजमाने में।

हवा का रुख बदला हुआ है शहर में
पसीने से तर हूं अपना वजूद बचाने में।

तरक्की से परेशान है लोग दूसरों की
संजीव जमाने से लगा हूं पैर जमाने में।

संजीव ठाकुर, रायपुर छत्तीसगढ़,

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत एक निर्णायक एवं ज़िम्मेदार शक्ति के रूप में उभरा

एयर वाइस मार्शल (डॉ.) अर्जुन सुब्रमण्यम (सेवानिवृत्त)

यूक्रेन में जारी युद्ध के खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिखने और मध्य-पूर्व के न युद्ध, न शांति के दलदल में फंसे होने के बावजूद, हाल के समय के दूसरे संघर्षों के मुकाबले ऑपरेशन सिंदूर को एक मानक अभियान के तौर पर देखना महत्वपूर्ण है। ऑपरेशन सिंदूर की सबसे खास बातें थीं—सैन्य ताकत का तीव्र और नियंत्रित तरीके से निर्णायक इस्तेमाल, ताकि प्रबंधन करने योग्य संघर्ष-विस्तार में रहते हुए ऐसे रणनीतिक नतीजे हासिल किए जा सकें, जिनकी बाहर निकलने की रणनीति स्पष्ट हो और जो मोदी सरकार के राजनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप हों। इस संघर्ष की शुरुआत का उद्देश्य था - पाकिस्तान के भारत-विरोधी आतंकवादी नेटवर्क के गढ़ पर सीधा हमला करना और अगर पाकिस्तान की सेना भारत के शुरुआती आतंकवाद-रोधी हमले का सैन्य जवाब देती है, तो उसे भारी नुकसान पहुंचाना। ये ऐसे बड़े लक्ष्य नहीं थे, जिनके लिए बहुत बड़े पैमाने पर और हर तरफ सैन्य ताकत के इस्तेमाल की ज़रूरत पड़ती। यह एक ज़िम्मेदार ताकत द्वारा, राज्य-प्रायोजित आतंकवाद के बार-बार दोहराए जाने वाले कृत्यों को सज़ा देने के लिए चलाया गया एक सटीक, सक्रिय और संयमित प्रतिरोधी अभियान था।

हालांकि भारत ने 2019 में बालाकोट में आतंकवाद-रोधी अभियानों में आक्रामक हवाई शक्ति के इस्तेमाल का प्रयोग किया था, लेकिन इस बार जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालयों पर—जो क्रमश: बहावलपुर और मुरीदके में स्थित हैं—हमला करने की उसकी तत्परता ने राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए जोखिम उठाने की एक नई प्रवृत्ति और संघर्ष को बढ़ाने की इच्छाशक्ति को उजागर किया। फिर भी, राजनीतिक स्तर पर सोच में पूरी स्पष्टता थी कि एक व्यापक संघर्ष भारत के हित में नहीं है, भले ही पाकिस्तान की सैन्य परिसंपत्तियों को और अधिक नुकसान पहुँचाने का सैन्य प्रलोभन मौजूद था।

समझदारी और संयम, ज़िम्मेदार राज-काज और सैन्य अभियानों के दो ऐसे साथ-साथ चलने वाले पहलू हैं, जिन्हें भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अच्छी तरह प्रदर्शित किया; खासकर इस मामले में कि उसने अपने हमलों के दौरान कोई भी अतिरिक्त नुकसान नहीं होने दिया और सैन्य श्रेष्ठता होने के बावजूद पाकिस्तान के युद्धविराम के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। अब पीछे मुड़कर देखने पर, एक लंबे और बड़े संघर्ष से मिलने वाले फ़ायदे, उसके संभावित आर्थिक और मानवीय नुकसानों के मुकाबले बहुत ही मामूली लगते हैं। चार दिनों के भीतर ही संघर्ष को समाप्त कर देने से जो सैकड़ों करोड़ रुपये की बचत हुई, उसने मध्य-पूर्व में चल रहे मौजूदा संघर्ष के दौरान भारत की आर्थिक सहनीयता में योगदान दिया है। दूसरी ओर, मध्य-पूर्व के संघर्ष में अमेरिका के 27 अरब डॉलर से भी ज़्यादा खर्च हो चुके हैं और इस संघर्ष का कोई अंत भी नज़र नहीं आ रहा है।

भारत के मौजूदा उच्च रक्षा संगठन ने संघर्ष के दौरान अच्छी तरह काम किया। ऑपरेशन के नीति-निर्माण और तैयारी के चरण में केंद्रीकृत और निर्देशात्मक नियंत्रण का एक स्पष्ट मॉडल देखने को मिला; इसके पहले स्तर पर प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और रक्षा मंत्री थे, जबकि दूसरे स्तर पर सीडीएस और तीनों सेना के प्रमुख इसे समर्थन दे रहे थे। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि सेना प्रमुखों और खुफिया एजेंसियों को स्पष्ट और ठोस रणनीतिक परिणाम बताए गए थे, जिसके बाद उन्हें एक व्यावहारिक कार्ययोजना' तैयार करने की जिम्मेदारी दी गयी।

भले ही हज़ारों सालों में युद्ध के स्वरूप में कई बदलाव आए हों, लेकिन कौटिल्य, सुन त्ज़ू, क्लॉज़विट्ज़ और लिडेल हार्ट जैसे प्राचीन और आधुनिक रणनीतिकारों द्वारा बताए गए युद्ध के अधिकांश मूल सिद्धांत समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। कुल मिलाकर, ऑपरेशन सिंदूर की भारत की सफलता ने तनाव बढ़ाने और प्रतिरोध करने की सीमाओं का विस्तार किया, भारत ऐसा इसलिए कर पाया क्योंकि इसने समय की कसौटी पर खरे उतरे युद्ध के कुछ सिद्धांतों और संकट के समय फ़ैसले लेने के तरीकों का पालन किया। इनमें से, लक्ष्य का चयन और उसे बनाए रखना, शक्ति का केंद्रीकरण, आक्रामक कार्रवाई, अचानक हमला, कमान की एकता, सुरक्षा, सरलता, मनोबल और अनुकूलनशीलता ऐसे सिद्धांत हैं, जिन पर और अधिक विचार-विमर्श की आवश्यकता है।

परिचालन स्तर पर, भारत की उभरती हुई बहु-क्षेत्रीय सैन्य रणनीति के तलवार के रूप में आईएएफ का इस्तेमाल करने का फ़ैसला एक साहसी कदम था, जो आज के दौर के संघर्षों के बदलते स्वरूप को दिखाता है और जिस पर बारीकी से नज़र रखने और विश्लेषण करने की ज़रूरत है। पाकिस्तान की चीन से मिली वायु रक्षा प्रणालियों को चकमा देने और उन्हें जाम करने के बाद, भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में घुसकर हमला किया। इस हमले में पाकिस्तान और पीओजेके में मौजूद 9 अहम आतंकवादी ठिकाने तबाह हो गए, और लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज़्बुल मुजाहिदीन के प्रमुख केंद्र नष्ट हो गए। 10 मई को, कुछ ही घंटों के भीतर, भारत ने अपने हमले का दायरा और बढ़ाया तथा 11 प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया, जिनमें नूर खान एयरबेस, रफ़ीक़ी एयरबेस, मुरीद एयरबेस, सुक्कुर एयरबेस, सियालकोट एयरबेस, पसरूर एयरबेस, चुनियां एयरबेस, सरगोधा एयरबेस, स्कार्दू एयरबेस, भोलारी एयरबेस और जैकोबाबाद एयरबेस शामिल थे।

मेष राशि: आज आपका दिन आत्मविश्वास से भरा रहने वाला है। आज व्यवसाय में किसी नए काम की शुरुआत होगी, परंतु अभी अधिक लाभ की उम्मीद ना रखकर पूरी तरह से मेहनत करें। और स्टाफ के साथ मित्रवत व्यवहार रखें।

वृष राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज परिवार में हर्षोल्लास का माहौल बना रहेगा। आज बिजनेस में लेनदेन बहुत सोच-विचार कर करेंगे, जल्दबाजी नहीं करेंगे। किसी प्रकार की भी पार्टनरशिप करने की योजना को आज स्थगित करना पड़ सकता है।

मिथुन राशि: आज का आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। अगर आप नया काम शुरू करना चाहते हैं, तो घर में बात करने के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपको अपने प्रयासों और परिश्रम के उचित से परिणाम हासिल होंगे। नौकरी कर रहे लोगों को महत्वपूर्ण कार्यभार की जिम्मेदारी दे जा सकती है। आज माता-पिता का सहयोग मिलने से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ेगा जिससे वे खूब मन लगाकर पढ़ाई करेंगे।

कर्क राशि: आज का दिन आपके शानदार रहने वाला है। आज आपके लिए व्यावसायिक मामलों में परिस्थितियों के अनुसार व्यवस्था बनाए रखना जरूरी होगा। अपने संपर्कों को और अधिक मजबूत करें, इससे अच्छे अनुबंध मिल सकते हैं। सरकारी दफ्तर में सेवारत लोगों को अपने काम के प्रति आज वफादार रहने की जरूरत है।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर में माहौल खुशनुमा रहेगा। कुछ समय अपने लिए जरूर निकालें। आज व्यवसाय को लेकर की गई मेहनत आपकी तरक्की के द्वार खोलने वाली है। सहकर्मियों के साथ संबंध अच्छा रखें। पार्टनरशिप संबंधी व्यवसाय में आपसी तालमेल में कुछ दिक्कतें आ सकती हैं।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज कुछ ऐसे विचार आ सकते हैं जो वाकई उम्दा होगे। आज आपका का दिन प्रसन्नता और स्फूर्ति से भरा रहेगा। परिवार जनों के साथ किसी विशेष मुद्दे को लेकर सकारात्मक वार्तालाप भी होगा। आपकी योग्यता और काबिलीयत की समाज और रिश्तेदारों के बीच सराहना होगी।

तुला राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। बडे-बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे,। आज अपने व्यक्तिगत जीवन से जुड़ा फैसला लेने का अनुकूल समय है। आपकी निपुणता और योग्यता लोगों के सामने आएगी। लाभदायक समय बना हुआ है। आपके नेतृत्व में सोसाइटी संबंधित विशेष गतिविधि पूरी होगी।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज अपने संपर्क बढ़ाने पर जोर देंगे यह आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। आज कुछ पुरानी समस्या का समाधान मिल जाने से मानसिक रूप से बहुत ही सुकून और राहत मिलेगी। विद्यार्थियों को भी अपने किसी उपलब्धि से आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी क्रिएटिविटी सराहनीय रहेगी।

धनु राशि: आज आपका दिन उल्लास से भरा रहने वाला है। आज किसी विशेष काम को लेकर किए गए प्रयासों का प्रतिफल आपको मिलने वाला हैं। उधार दिया हुआ अथवा फसा हुआ पैसा भी मिल सकता है। अध्ययनरत युवाओं को प्रोफेशनल पढ़ाई में उचित सफलता मिल सकती है। अगर घर परिवर्तन संबंधी योजना बना रहें हैं, तो आज उस पर अमल अवश्य करें।

मकर राशि: आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। अपनी सेहत को बेहतर बनाये रखने के लिए योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा अवश्य बनाये। साथ ही नकारात्मक चीज़ों से अपने आपको बचाने की कोशिश करें।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं, यह यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। आज आप सक्रिय और सकारात्मक रहने तथा योजनाबद्ध तरीके से दिनचर्या व्यवस्थित करने में सफल रहेंगे। सामाजिक सेवार्थ में दिन का अधिकतर समय बीतेगा। साथ ही महत्वपूर्ण लोगों से लाभदायक संपर्क भी बनेंगे। कोई रुका हुआ आय का स्रोत भी शुरू हो सकता है।

मीन राशि: आज आपका दिन बेहतरीन बीतने वाला है। कलात्मक कार्यों में आज आपकी रुचि बढ़ेगी। पढ़ाई में छात्रों के लिए यह समय जी-जान लगाकर पढ़ने का है। आज नये प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले मित्रों से सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज धार्मिक स्थलों की यात्रा जीवनसाथी के साथ जाने पर शुभ होगी।

प्रकृति की मूक चीखः एक पौधा हमें बचा सकता है, हम उसे बचा नहीं पा रहे

[एक पौधा, हजारों सवाल: हमारी विकास की भूख कितनी महंगी पड़ रही है]

[धरती माँ का छुपा हुआ आभूषण: यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस और हमारी लापरवाही]

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

प्रकृति की गोद में रची-बसी भारतीय धरती आज भी जैव-विविधता के अनगिनत रहस्यों को अपने भीतर समेटे हुए है, और आधुनिक वैज्ञानिक खोजें लगातार यह साबित कर रही हैं कि यह खजाना अभी पूरी तरह सामने नहीं आया है। हाल ही में खोजी गई पौध प्रजाति यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि हमारे पारिस्थितिक तंत्र में अभी भी अनेक अनदेखे रहस्य मौजूद हैं। यह खोज केवल एक नई वनस्पति की पहचान नहीं, बल्कि यह संकेत है कि भारत के वन, पर्वतीय क्षेत्र और सूक्ष्म आवास विज्ञान के लिए निरंतर नए द्वार खोल रहे हैं। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट में ऐसी खोजों की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि पर्यावरणीय अनुसंधान अब अधिक गहराई और विस्तार के साथ आगे बढ़ रहा है।मरुस्थल जैसी कठोर परिस्थितियों में भी जीवन की सूक्ष्म संभावनाएँ कितनी समृद्ध हो सकती हैं, यह यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस की खोज स्पष्ट रूप से दर्शाती है। यह दुर्लभ पौधा आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साई जिले के निगिडी वन क्षेत्र में ग्रेनाइट चट्टानों के बीच लगभग 450 से 550 मीटर की ऊँचाई पर पाया गया है, जहाँ अत्यंत कठिन जलवायु परिस्थितियाँ मौजूद हैं। फिर भी यह प्रजाति अपनी विशिष्ट जैविक संरचना के बल पर जीवित है और पर्यावरण के साथ अद्भुत संतुलन स्थापित करती है। इसकी पत्तियों और तनों की बनावट जल संरक्षण की अत्यंत उन्नत क्षमता प्रदान करती है, जिससे यह शुष्क क्षेत्रों में भी टिकाऊ बनी रहती है। इसी असाधारण अनुकूलन क्षमता के कारण यह पौधा वैज्ञानिकों के लिए एक महत्वपूर्ण और गहन अध्ययन का विषय बन चुका है।

वैज्ञानिक अनुसंधानों की बढ़ती गति ने भारत की जैव-विविधता को नए आयामों में उजागर करना प्रारंभ कर दिया है। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दशक में सैकड़ों नई पौध प्रजातियाँ दर्ज की गई हैं, जो यह स्पष्ट करती हैं कि भारत केवल सांस्कृतिक रूप से ही नहीं, बल्कि जैविक दृष्टि से भी अत्यंत समृद्ध देश है। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट और बॉटेनिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया के अनुसार, पिछले एक दशक में भारत में हजारों नई पौध प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया गया है। केवल वर्ष 2024 में ही 410 से अधिक नई प्रजातियाँ दर्ज की गईं। इनमें अनेक प्रजातियाँ औषधीय गुणों से युक्त हैं, जो भविष्य में चिकित्सा विज्ञान के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं। ये निरंतर हो रही खोजें प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और उनके संतुलित उपयोग की आवश्यकता को और अधिक अनिवार्य बना देती हैं।इन दुर्लभ पौधों का अध्ययन अब केवल जैव-विज्ञान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को समझने का आधार बन गया है। यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस जैसी प्रजातियाँ दर्शाती हैं कि छोटे-से-छोटे आवासों में भी जीवन के सूक्ष्म और जटिल चक्र सक्रिय रहते हैं। यदि इन संवेदनशील क्षेत्रों में मानवीय हस्तक्षेप बढ़ता रहा, तो अब तक अनदेखी जैव-विविधता गंभीर रूप से प्रभावित या विलुप्त हो सकती है। इसलिए वैज्ञानिक ऐसे क्षेत्रों की सतत निगरानी और संरक्षण पर विशेष जोर दे रहे हैं।

यह प्रजाति अत्यंत दुर्लभ है; लगभग 2.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में केवल करीब 80 पौधे ही पाए गए हैं। ग्रेनाइट खनन और जंगल की आग इसके अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। विस्तृत जैव-भौगोलिक परिदृश्य में फैले पश्चिमी घाट, पूर्वोत्तर भारत और दक्कन पठार आज नई प्रजातियों की खोज के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। हर वर्ष यहाँ होने वाली नई पहचानें यह स्पष्ट करती हैं कि वनस्पति और जीव-जगत का एक बड़ा हिस्सा अभी भी विज्ञान की वर्तमान समझ से बाहर है। यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस की खोज भी इसी निरंतर श्रृंखला का हिस्सा है, जो यह दर्शाती है कि सूक्ष्म स्तर पर भी प्रकृति अत्यंत जटिल और विविध संरचनाओं से बनी हुई है। ऐसी खोजें न केवल वैज्ञानिक अध्ययन को दिशा देती हैं, बल्कि नीति निर्माण के लिए भी महत्वपूर्ण संकेत प्रदान करती हैं।

इन वैज्ञानिक खोजों की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि ये स्थानीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान और अनुभव से गहराई से जुड़ी होती हैं। आदिवासी और ग्रामीण समाज अक्सर ऐसे पौधों की पहचान पहले ही कर लेते हैं, जिनका औपचारिक वैज्ञानिक वर्गीकरण बाद में किया जाता है। यह सहभागिता जैव-विविधता अनुसंधान को अधिक सशक्त और विश्वसनीय बनाती है। यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस जैसे पौधों के अध्ययन में भी स्थानीय ज्ञान की अहम भूमिका रही है, जो यह स्पष्ट करता है कि विज्ञान और परंपरा का संगम प्रकृति को समझने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है।पर्यावरणीय दृष्टिकोण से देखें तो ये खोजें केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि एक गंभीर चेतावनी भी हैं। जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और तेज़ी से बढ़ता शहरीकरण कई प्रजातियों को उनके दर्ज होने से पहले ही विलुप्ति की ओर धकेल रहे हैं। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि यदि संरक्षण उपायों को सख्ती से लागू नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में जैव-विविधता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसी संदर्भ में यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस जैसी खोजें केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि प्रकृति के संरक्षण की तत्कालीन आवश्यकता का स्पष्ट संकेत भी हैं।

राज्यपाल से मिले शुभेंदु अधिकारी, सरकार बनाने का दावा किया पेश

कोलकाता (ए)। शुभेंदु अधिकारी ने बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया। पश्चिम बंगाल विधानसभा को राज्य की पहली भाजपा सरकार के ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह की पूर्व संध्या पर भगवा रोशनी से जगमगाया गया है। बीजेपी विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने पार्टी नेतृत्व और नवनिर्वाचित विधायकों का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि मुझ पर भरोसा जताने के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह और जी का दिल से धन्यवाद करता हूं। अधिकारी ने दोहराया कि वे भाजपा की नीतियों का कड़ाई से पालन करेंगे, जिससे पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ उनकी प्रतिबद्धता का संकेत मिलता है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए सभी वादे बिना किसी चूक के पूरे किए जाएंगे। भाई अब नहीं रहे, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा है, भरोसा अब है। मैं केवल भाजपा की नीतियों का पालन करूंगा और राज्य में मोदी के वादे को पूरा करने की दिशा में काम करूंगा। अधिकारी ने पार्टी विधायकों और समर्थकों की जोरदार तालियों के बीच कहा। अधिकारी ने इस बात पर जोर दिया कि बंगाल के विकास के लिए केंद्र और राज्य के बीच घनिष्ठ साझेदारी आवश्यक होगी। उन्होंने भाजपा विधायकों को आश्वासन दिया कि पार्टी के बंगाल घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए व्यवस्थित रूप से लागू किया जाएगा। सरकार के पहले कदमों का खुलासा करते हुए, अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस की पिछली सरकार के दौरान कथित भ्रष्टाचार और महिलाओं के खिलाफ अपराधों की जांच की घोषणा की। उन्होंने कहा, एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक आयोग सभी भ्रष्टाचार मामलों की जांच करेगा। आयोग महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की घटनाओं की भी जांच करेंगे और दोषियों को दंडित किया जाएगा। अधिकारी ने यह भी रेखांकित किया कि भाजपा सरकार का लक्ष्य सकारात्मक शासन के माध्यम से बंगाल का पुनर्निर्माण करना और साठ प्रतिशत से अधिक आबादी का विश्वास हासिल करना है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी हरियाणा के गुरुग्राम ज़िले में सद्भाव यात्रा में शामिल हुए।

मार्क्सवादी ने तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए तमिलगा वेत्री कज़गम टीवीके को अपना बिना शर्त समर्थन दिया

चेन्नई (ए.)। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) ने तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए तमिलगा वेत्री कज़गम (टीवीके) को अपना बिना शर्त समर्थन दिया। सीपीआई (एम) के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में, कार्यकारी बैठक के बाद, सीपीआई के प्रदेश सचिव वीरपांडियन ने कहा कि पार्टी ने जनता के जनादेश का सम्मान करते हुए टीवीके को समर्थन देने का निर्णय लिया है। लोकतंत्र के उतार-चढ़ाव को स्वीकार करते हुए, उन्होंने कहा कि यह निर्णय उसी के अनुसार लिया गया है। उन्होंने कहा टीवीके ने सीपीआई, सीपीआई (एम) और वीसीके से संपर्क किया। हमने अपनी पार्टी की बैठक की। लोकतंत्र

में उतार-चढ़ाव होना सामान्य बात है। तमिलनाडु की जनता ने टीवीके का समर्थन किया है और उसे चुना है। हमने लोकतांत्रिक तरीके से निर्णय लिया है। इस बीच, तमिलनाडु सीपीआई (एम) के सचिव शनमुगम ने कहा कि राज्य में सरकार गठन में देरी, राष्ट्रपति शासन लागू होने से रोकने और भाजपा को चुपके से सत्ता में आने से रोकने के लिए पार्टियों ने अपना समर्थन दिया है। सीपीआई (एम) के राज्य सचिव ने आगे कहा कि वीसीके ने भी कहा है कि वे सीपीआई और सीपीआई (एम) जैसा ही फैसला लेंगे। वीसीके टीवीके को भी अपना समर्थन दे रही है। जल्द ही वीसीके नेता आकर आप सभी को इस बारे में बताएंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। सरकार बनाना अनिवार्य है और 10 तारीख तक सरकार बनाने का दबाव बन गया है। जोसेफ विजय ने दोनों पार्टियों को पत्र लिखा है। चूंकि 10 तारीख तक सरकार नहीं बनी तो राष्ट्रपति शासन लागू हो जाएगा। भाजपा तमिलनाडु में पिछले दरवाजे से प्रवेश करने की कोशिश कर रही है। इसलिए, इसे रोकने के लिए सीपीआई और सीपीआई (एम) ने टीवीके को समर्थन देने का फैसला किया है।

सोहराबुद्दीन एनकाउंटर केस में बड़ा फैसला, बॉम्बे हाईकोर्ट से 21 पुलिसकर्मियों समेत सभी 22 आरोपी बरी

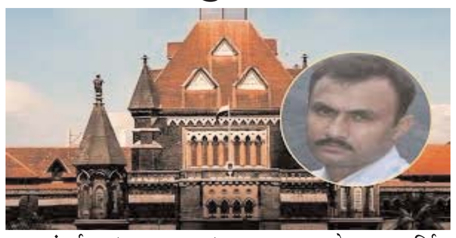

मुंबई ,(आरएनएस)। गुजरात के बहुचर्चित सोहराबुद्दीन शेख एनकाउंटर मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने मामले में 21 पुलिसकर्मियों समेत सभी 22 लोगों को बरी किए जाने के विशेष अदालत के फैसले को बरकरार रखा है। बता दें कि दिसंबर 2018 में सीबीआई की विशेष अदालत ने इन सभी आरोपियों को दोषमुक्त करार दिया था। इस फैसले को चुनौती देते हुए सोहराबुद्दीन के दो भाइयों ने अप्रैल 2019 में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अब सालों बाद उच्च न्यायालय ने अपना फैसला सुनाते हुए आरोपियों को बड़ी राहत दी है। बरी हुए पुलिसकर्मियों में गुजरात, राजस्थान और आंध्र प्रदेश पुलिस के जवान और अधिकारी शामिल हैं।साल 2005-06 का यह एनकाउंटर मामला भारत के सबसे चर्चित और विवादित केसों में से एक रहा है। यह घटना उस दौरान हुई थी जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, जिसके चलते विपक्ष ने राज्य सरकार को घेरने की पुरजोर कोशिश की थी और देश की सियासत गरमा गई थी। शुरुआत में इस मामले की जांच गुजरात सीआईडी (क्राइम) और एटीएस ने की थी। मामले की गंभीरता और राजनीतिक संवेदनशीलता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 2010 में जांच सीबीआई को सौंप दी थी और निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए ट्रायल को भी गुजरात से हटाकर मुंबई की स्पेशल कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया था।

कौन था सोहराबुद्दीन और क्या थी सीबीआई की थ्योरी ?

साल 2018 में ट्रायल कोर्ट ने अपने फैसले में यह स्पष्ट किया था कि सोहराबुद्दीन एक वांछित और खूंखार अपराधी था, जिस पर गुजरात और राजस्थान में हत्या, अपहरण और फिरौती जैसे कई संगीन मुकदमे दर्ज थे। वहीं, सीबीआई की थ्योरी के मुताबिक 23 नवंबर 2005 को सोहराबुद्दीन, उसकी पत्नी कौसर बी और उसके सहयोगी तुलसीराम प्रजापति को हैदराबाद से सांगली जाते वक्त एक लग्जरी बस से अगवा किया गया था। जांच एजेंसी का दावा था कि सोहराबुद्दीन और उसकी पत्नी को पहले गुजरात के एक फार्महाउस में बंधक बनाकर रखा गया और फिर नवंबर 2005 में अहमदाबाद में सोहराबुद्दीन का फर्जी एनकाउंटर कर दिया गया। इसके तुरंत बाद उसकी पत्नी की भी हत्या कर दी गई, जबकि तुलसीराम प्रजापति का एनकाउंटर करीब एक साल बाद हुआ था।

पुलिस का दावा- बड़े नेता की हत्या की थी साजिश

सीबीआई की कहानी से उलट, आरोपी पुलिसकर्मियों का शुरू से ही यह कड़ा दावा रहा है कि सोहराबुद्दीन का आतंकी संगठनों से गहरा संपर्क था। पुलिस के मुताबिक, वह किसी बड़े राजनेता की हत्या करने के नापाक इरादे से ही अहमदाबाद पहुंचा था। इस पूरे मामले में यह भी दावा किया गया था कि पुलिस ने सोहराबुद्दीन के ही करीबी तुलसीराम प्रजापति की मदद से उसे ट्रेस कर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया था। कहा जाता है कि प्रजापति को यह भरोसा दिया गया था कि भारी राजनीतिक दबाव के कारण सोहराबुद्दीन को सिर्फ गिरफ्तार किया जा रहा है।

हुमायूं कबीर का डबल अटैक, भाजपा से गठबंधन को ना, ममता को कहा झूठा

कोलकाता (ए.)। एजेयूपी प्रमुख हुमायूं कबीर ने भाजपा के साथ गठबंधन की अटकलों को खारिज करते हुए विपक्ष में बैठने का ऐलान किया है, साथ ही उन्होंने ममता बनर्जी पर तीखा हमला करते हुए उन्हें झूठा कहा और चुनाव के बाद अखिलेश यादव से उनकी मुलाकात पर सवाल उठाए। आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के प्रमुख हुमायूं कबीर ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन की किसी भी संभावना को खारिज करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल के हालिया चुनावी नतीजों के बाद उनकी पार्टी विपक्ष में बैठेगी। कबीर ने एएनआई से कहा कि भाजपा के साथ गठबंधन का कोई सवाल ही नहीं उठता। अब जब उन्होंने (सुवेंदु अधिकारी) दोनों सीटें जीत ली हैं, तो उन्हें एक सीट छोड़नी ही पड़ेगी। उस सीट पर जल्द से जल्द उपचुनाव होने चाहिए... हम विपक्ष में बैठेंगे। गठबंधन की क्या जरूरत है? उन्होंने बहुमत से जीत हासिल की है... जैसा कि मोदी जी कहते हैं, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, अगर ऐसा होता है, तो मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। कबीर ने हाल ही में विपक्षी नेताओं, जिनमें समाजवादी पार्टी (एसपी) प्रमुख अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेतृत्व शामिल हैं, के बीच हुई राजनीतिक मुलाकातों और बैठकों पर प्रतिक्रिया देते हुए तीखा राजनीतिक हमला भी किया। इन घटनाक्रमों पर टिप्पणी करते हुए कबीर ने ऐसी मुलाकातों के समय और उद्देश्य पर सवाल उठाए और ममता बनर्जी पर व्यक्तिगत रूप से कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि दो महीने तक चुनाव प्रचार के दौरान अखिलेश यादव कहां थे? उन्हें ममता बनर्जी के पास आकर समर्थन देना चाहिए था। अभिषेक बनर्जी हर सुबह राहुल गांधी के घर चाय पीने जाते हैं। तो फिर राहुल गांधी ने ममता बनर्जी के खिलाफ उम्मीदवार क्यों खड़ा किया? ममता बनर्जी झूठी भी हैं। उनकी ये टिप्पणियां कोलकाता में हाल ही में हुए चुनाव परिणामों के बाद बढ़ी राजनीतिक गतिविधियों और राज्य में सरकार गठन की तैयारियों के बीच आई हैं। इससे पहले, अखिलेश यादव ने कोलकाता में ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी सहित तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व से मुलाकात की थी, जहां चुनाव के बाद के घटनाक्रमों और कथित चुनावी अनियमितताओं पर चर्चा हुई थी। यादव ने भाजपा पर चुनाव के दौरान बहुस्तरीय माफियागिरी का आरोप लगाया और मतदान केंद्रों से सीसीटीवी फुटेज जारी करने सहित चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग की। ताज़ा घटनाक्रम में, सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल में भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए हैं, जिससे उनके राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में कोलकाता में पार्टी की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह घोषणा की। अधिकारी के कल शपथ लेने की उम्मीद है, जो रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के साथ मेल खाता है।

मैं पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास करूंगा : निशांत कुमार

पटना (ए.)। जेडीयू नेता निशांत कुमार ने शुक्रवार को बिहार के नए स्वास्थ्य मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया और राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करने का संकल्प लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद निशांत कुमार ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास करूंगा। मैं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की कोशिश करूंगा। जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने भी निशांत कुमार के पार्टी में शामिल होने पर टिप्पणी करते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने उन्हें (अपने बेटे निशांत कुमार को) इक्कीस साल तक राजनीति में नहीं लाया। जब उन्होंने स्वयं मुख्यमंत्री पद छोड़ा, तो पार्टी के लोगों को लगा कि उनकी जरूरत है, इसलिए वे पार्टी में शामिल हुए और काम शुरू किया।

बारह वर्षों के शासन ने कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा के संबंध में किए गए दावों की खोखली सच्चाई उजागर कर दी : मल्लिकार्जुन खर्गे

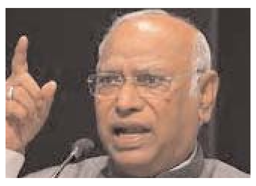

नई दिल्ली (ए.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उसके बारह वर्षों के शासन ने कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा के संबंध में किए गए दावों की खोखली सच्चाई उजागर कर दी है। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी) की एक रिपोर्ट के आंकड़ों का हवाला देते हुए खर्गे ने दावा किया कि 2013 से कमजोर वर्गों के खिलाफ अत्याचारों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, 2013 से महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 42.6त्न की वृद्धि हुई है। बच्चों के खिलाफ अपराधों में 204.6त्न की वृद्धि हुई है। दलितों के खिलाफ अत्याचारों में 41.3त्न की वृद्धि हुई है। आदिवासियों के खिलाफ अपराधों में 46.7त्न की वृद्धि हुई है। साइबर अपराध में 1,689त्न की भारी वृद्धि हुई है। और 2024 में 10,546 किसानों, 52,931 दिहाड़ी मजदूरों और 14,488 छात्रों ने आत्महत्या की है। इस बीच, राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग (एनसीआरबी) की 2024 की आधिकारिक रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में कानून से संघर्ष कर रहे किशोरों से जुड़े मामलों और वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ अपराधों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। 2024 में किशोरों के खिलाफ कुल 34,878 मामले दर्ज किए गए, जो 2023 में दर्ज किए गए 31,365 मामलों की तुलना में 11.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हैं।

12 घंटे में देश से भागेंगे बांग्लादेशी ? तूफानी आईडिया सुन झूमे भारतीय

कोलकाता (ए.)। पश्चिम बंगाल में हार की बौखलाहट के बाद अवैध बांग्लादेशी पागल हो गए हैं। यह बांग्लादेशी बंगाल में बवाल करना चाहते हैं। लेकिन आप सोचिए कि अगर यह अवैध बांग्लादेशी 12 घंटे में खुद ही बंगाल छोड़कर बांग्लादेश भाग जाए तो कैसा होगा? बंगाल बीजेपी के एक नेता ने ऐसा आईडिया बताया है जिससे अवैध बांग्लादेशी खुद देश छोड़कर भाग जाएंगे। एक तरफ शुभेंदु अधिकारी अपने पीए चंद्रनाथ रथ को अंतिम प्रणाम करते हुए फूट-फूट कर रोते दिखे। तो दूसरी तरफ बांग्लादेश लगातार बंगाल में हिंसा बढ़ाने की साजिश में लगा हुआ है। बांग्लादेश के जिहादी नेता बार-बार बयान दे रहे हैं कि बांग्लादेश के 17 करोड़ मुस्लिम ममता बनर्जी के साथ खड़े हैं। यह खतरनाक बांग्लादेशी नेता दरअसल बंगाल के मुस्लिमों को हिंसा करने के लिए भड़का रहे हैं। बांग्लादेश का एक नेता अल्ताफ हुसैन तो अब खुलकर बीजेपी को धमकी दे रहा है। यह बोल रहा है कि भारत के मुस्लिमों को अब देश के

टुकड़े कर देने चाहिए। भारतीय मुस्लिमों को भगवे के खिलाफ खड़े होने की अब जरूरत है। अब ऐसे बांग्लादेशी नेता बीजेपी को धमकी दे रहे हैं तो बंगाल बीजेपी के नेता अर्जुन सिंह को भी गुस्सा आ गया। अर्जुन सिंह ने बांग्लादेशी घुसपैठियों का ऐसा इलाज बताया है जिसने तहलका मचा दिया है। बंगाल बीजेपी नेता अर्जुन सिंह का यह बयान भयंकर वायरल हो रहा है। अर्जुन सिंह ने कहा है कि अब वो वक्त आ गया है जब अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ बीएसएफ के हाथ खोल देने चाहिए। बीएसएफ को एक तरीके से शूट एट साइट का आर्डर दे देना चाहिए। बीएसएफ को जहां अवैध बांग्लादेशी मिले उसे वहीं ठोक देना चाहिए। नहीं तो बांग्लादेश के यह जिहादी बंगाल को बर्बाद कर देंगे। आपको बता दें कि कुछ लोगों का मानना है कि शुभेंदु अधिकारी के पीए की मौत के पीछे भी बांग्लादेश का कनेक्शन हो सकता है। ऐसे में अर्जुन सिंह का मानना है कि अगर तेरे जिंदा रहने से मैं मरता हूं तो इससे अच्छा है तू मर जा। भैया मैं तो एक बात जानता हूं अगर तेरे जिंदा रहने से मैं मरता हूं तो तू मर। बहरहाल अब आपको अर्जुन सिंह का वह बयान देते हैं जो उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ दिया है। सेंट्रल फोर्स को गोली चलाने को आर्डर दे देना चाहिए। इन लोगों को खोज खोज के मारना चाहिए तब जाके ये मानेंगे। नहीं तो जिहादी पूरा बंगाल को अभी भी बोल रहे हैं साल भर बीएसएफ को ऑर्डर देना होगा कि जिहादी शक्ति जो बंगाल बंगाल को अशांत कराने की कोशिश कर रहा है। उस पर उसका सही जवाब मिलना चाहिए।

ममता बनर्जी ने नहीं बदली सोशल मीडिया प्रोफाइल, मुख्यमंत्री का टैग अभी तक बरकरार

कोलकाता,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में 17वीं विधानसभा भंग होने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल नहीं बदली है। वे आधिकारिक तौर पर पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री बन चुकी हैं, लेकिन सोशल मीडिया प्रोफाइल में अभी भी मुख्यमंत्री का टैग बरकरार रखा है। ममता बनर्जी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल फेसबुक और एक्स पर अभी भी माननीय मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल का इस्तेमाल कर रही हैं। हार के बावजूद ममता ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने के इनकार किया था, जिसे वे सोशल मीडिया पर बरकरार रखे हुए हैं। इससे पहले, गुरुवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने 17वीं विधानसभा को भंग कर दिया। 17वीं विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को पूरा हो चुका था। लिहाजा, राज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 174 (2)(बी) से प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए विधानसभा को भंग किया। लोकभवन, कोलकाता की तरफ से जारी पत्र में कहा गया कि राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग करने का आदेश दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। 2021 में 17वीं विधानसभा का चुनाव जीतकर ममता बनर्जी तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं। वे 2011 से लगातार सत्ता पर काबिज रहीं। हालांकि, इस बार विधानसभा चुनाव में उन्हें करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। तृणमूल कांग्रेस बंगाल में अपनी सत्ता को बरकरार रखने में नाकाम रही और ममता बनर्जी को भी भवानीपुर सीट पर हार का सामना करना पड़ा। 2026 विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी जीत हासिल की है। भाजपा ने 293 में से 207 सीटें जीतीं, जबकि तृणमूल 80 सीटों तक ही सिमट कर रह गई। हालांकि, विधानसभा चुनाव में हार के बाद ममता बनर्जी ने भाजपा और चुनाव आयोग पर 100 सीट की चोरी का आरोप लगाया और साथ ही, मुख्यमंत्री पद छोड़ने से इनकार कर दिया। बहरहाल, 2026 के चुनाव संपन्न होने के बाद पश्चिम बंगाल में नई विधानसभा का गठन होगा और भाजपा अपना मुख्यमंत्री चुनने की कवायद में जुटी है।

तमिलनाडु के चेन्नई ज़िले में, सरकार बनाने के लिए पार्टी द्वारा तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) को बिना शर्त बाहरी समर्थन देने की घोषणा के बाद, सीपीआई(एम) के तमिलनाडु राज्य सचिव पी. षणमुगम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

एनसीआर : बादलों और तेज हवाओं के बीच बढ़ेगा गर्मी का असर, अगले तीन दिनों में 38 डिग्री तक पहुंचेगा पारा

नोएडा ,(आरएनएस)। एनसीआर में फिलहाल मौसम का मिजाज लोगों को गर्मी से कुछ राहत दे रहा है। आसमान में बादलों की आवाजाही, बीच-बीच में सूरज की लुका-छुपी और तेज हवाओं के कारण अभी भी भीषण गर्मी का एहसास नहीं हो रहा है। हालांकि भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान लगातार बढ़ेगा और 10 से 12 मई के बीच अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग के स्थानीय पूर्वानुमान के मुताबिक 8 मई को अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा और किसी प्रकार की मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है। 9 मई को तापमान बढ़कर 36 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। वहीं 10 मई को अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 11 मई को भी अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री रहने की संभावना जताई गई है। इस दौरान आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रह सकता है। 12 मई को तापमान में हल्की गिरावट के साथ अधिकतम 37 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री रहने का अनुमान है, जबकि 13 मई को अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक किसी प्रकार की हीट वेव या अन्य चेतावनी जारी नहीं की है। तेज हवाओं का असर वायु गुणवत्ता पर भी साफ दिखाई दे रहा है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के अधिकांश इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) फिलहाल संतोषजनक और ग्रीन जोन में दर्ज किया गया है।

रश्मिका मंदाना से क्यों आकर्षित होती हैं कृति सेनन? साझा किया 'कॉकटेल 2' में काम करने का अनुभव

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। पहली बार कृति सेनन और रश्मिका मंदाना साथ में नजर आएंगी। अक्सर जब दो ए लिस्ट एक्ट्रेस एक ही फिल्म में आती हैं, तो चर्चाएं बटोरती हैं। अब हाल ही में कृति ने रश्मिका के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया है।

रश्मिका बहुत अच्छी हैं

हाल ही में एक अवॉर्ड इवेंट में कृति सेनन ने रश्मिका मंदाना के साथ 'कॉकटेल 2' में काम करने के अनुभव के बारे में बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि रश्मिका बहुत ही सच्ची, दयालु, प्यारी और मिलनसार हैं। उनमें जरा भी इनसिक्योरिटी नहीं है। बस अच्छाई ही अच्छाई है और मुझे लगता है कि मैं पॉजिटिव एनर्जी से अट्रैक्ट होती हूं। अगर मुझे किसी की ऊर्जा और पॉजिटिविटी महसूस होती है, तो मैं उसकी ओर आकर्षित हो जाती हूं। मुझे उनके साथ काम करके बहुत मजा आया, और वह कमाल की हैं। मैं उन्हें बहुत पसंद करती हूं।

यह सीक्वल नहीं है

कृति ने 'कॉकटेल 2' और 2012 में आई 'कॉकटेल' के बीच होने वाली तुलना पर भी बात की। एक्ट्रेस ने स्पष्ट किया कि यह 'कॉकटेल' का सीधा सीक्वल नहीं है। यह एक अलग कहानी और किरदारों वाली फ्रेंचाइज फिल्म है। तुलनाओं के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा कि मुझे यकीन है कि तुलना तो होगी ही, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह कोई सीक्वल नहीं है। यह एक फ्रेंचाइज है। इसलिए यह एक अलग ही माहौल वाली फ्रेंचाइज है और इसके किरदार अलग-अलग हैं।

2021 में आई थी 'कॉकटेल'

साल 2012 में आई 'कॉकटेल' में सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। 'कॉकटेल' अपने संगीत, किरदारों और आधुनिक रिश्तों के ड्रामे के लिए कई साल से एक कल्ट फिल्म बन गई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही थी और इसे पसंद किया गया था।

19 जून को रिलीज होगी 'कॉकटेल 2'

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद से ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है।

कई लोगों का मानना है कि फिल्म शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना के बीच लव ट्रायंगल पर आधारित होगी। निर्देशक होमी अदजानिया ने भी इन अफवाहों पर मजाकिया प्रतिक्रिया दी थी। फिल्म का गाना 'जब तलक' भी काफी पॉपुलर हो रहा है।

दो बड़ी फिल्मों की रिलीज को लेकर चर्चा तेज

मुंबई (ए.)। जून महीने में बॉलीवुड दो बड़ी फिल्मों की रिलीज को लेकर चर्चा तेज है। एक तरफ अभिनेत्री जान्हवी कपूर की फिल्म 'पेड्डी' रिलीज होने जा रही है, वहीं दूसरी तरफ अभिनेता वरुण धवन की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' भी सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। हालांकि दोनों फिल्मों के बीच संभावित क्लैश को लेकर किसी तरह की प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि दोस्ताना माहौल देखने को मिल रहा है। जान्हवी कपूर ने सोशल मीडिया पर एक मजेदार वीडियो शेयर कर इस बॉक्स ऑफिस टक्कर को हल्के-फुल्के अंदाज में पेश किया।

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस ट्रांसफॉर्मेशन वीडियो में उन्होंने वरुण धवन की फिल्म का प्रसिद्ध "वाओ" ऑडियो इस्तेमाल किया, जिसे फैंस ने काफी पसंद किया। वीडियो के साथ जान्हवी ने वरुण धवन को टैग करते हुए मजाकिया अंदाज में लिखा, "लगता है हम टकरा रहे हैं वरुण धवन।" जान्हवी के इस पोस्ट पर वरुण धवन ने भी बेहद प्यारा और दिल जीत लेने वाला जवाब दिया। उन्होंने कमेंट करते हुए लिखा, "ओह माय गॉड, तुम्हारे साथ कभी कोई क्लैश नहीं होता। तुम इस वीडियो में कमाल लग रही हो।" इसके अलावा वरुण ने जान्हवी का वीडियो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी साझा किया और लिखा, "तुम्हारे साथ तो बस प्यार भरी टक्कर है जान्हवी। तुम 'पेड्डी' में बहुत शानदार लग रही हो। अपनी दोस्त को बड़े पर्दे पर देखने का मुझे बेसब्री से इंतजार है।" दोनों कलाकारों के बीच सोशल मीडिया पर हुई यह हल्की-फुल्की बातचीत फैंस को काफी पसंद आ रही है।

'धुरंधर 2' ने किया रिकॉर्ड्स का धमाका, 50 दिन बाद भी नहीं थमा फिल्म का तूफान; 'बाहुबली 2' को पछाड़ रचा इतिहास

'धुरंधर 2' ने दुनियाभर में 1791.55 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। इसी के साथ यह दुनिया भर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। साथ ही फिल्म ने इतने दिनों में कई रिकॉर्ड बनाए हैं।

साउथ की इस फिल्म का तोड़ा रिकॉर्ड

सेकनिक की लाइव रिपोर्ट के मुताबिक, रिलीज के 50वें दिन भी फिल्म भारत में 721 शोज में चल रही थी। इस दिन फिल्म ने 36 लाख रुपये की कमाई की। इसके बाद फिल्म का इंडिया नेट कलेक्शन 1140.53 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि भारत में इसका ग्रॉस कलेक्शन 1365.03 करोड़ रुपये रहा।

इस हफ्ते फिल्म ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया, जब इसने 'बाहुबली 2: द कन्क्लूजन' के 1788.06 करोड़ रुपये के वर्ल्डवाइड कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया। अब 'धुरंधर 2: द रिवेंज' केवल 'दंगल' से पीछे है। फिल्म ने विदेशों में भी शानदार प्रदर्शन किया और वहां से 426.35 करोड़ रुपये की कमाई की।

फिल्म का हर हफ्ते का कलेक्शन

फिल्म की सबसे खास बात यह रही कि इसका कलेक्शन हर हफ्ते मजबूत बना रहा। जहां कई बड़ी फिल्में शुरुआती हाइप के बाद जल्दी गिर जाती हैं, वहीं 'धुरंधर 2' लगातार दर्शकों को थिएटर्स तक खींचती रही।

फिल्म का हफ्तावार नेट कलेक्शन कुछ ऐसा रहा:

पहला हफ्ता: 674.17 करोड़ रुपये
दूसरा हफ्ता: 263.65 करोड़ रुपये
तीसरा हफ्ता: 110.60 करोड़ रुपये
चौथा हफ्ता: 54.70 करोड़ रुपये
पांचवां हफ्ता: 19.52 करोड़ रुपये
छठा हफ्ता: 12.45 करोड़ रुपये
सातवां हफ्ता: 5.58 करोड़ रुपये

कुल मिलाकर फिल्म ने भारत में 1140 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है।

1000 करोड़ नेट कमाने वाली पहली हिंदी फिल्म

'धुरंधर 2' ने अपने रन के दौरान कई बड़े रिकॉर्ड बनाए। यह भारत में 1000 करोड़ रुपये नेट कमाने वाली पहली हिंदी फिल्म बन गई। साथ ही फिल्म ने लगातार 11 दिनों तक हिंदी में 40 करोड़ रुपये से ज्यादा का नेट कलेक्शन किया।

फिल्म ने सिर्फ 6 दिनों में 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया था, जबकि दुनियाभर में 1000 करोड़ रुपये कमाने में इसे सिर्फ 7 दिन लगे। फिल्म ने एक और बड़ा रिकॉर्ड बनाया। यह पहली हिंदी फिल्म बन गई जिसने एक ही दिन में दो बार 100 करोड़ रुपये का हिंदी नेट कलेक्शन किया।

ओटीटी पर जल्द रिलीज होगी सैफ अली खान की 'कर्तव्य'

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड की अपकमिंग क्राइम थ्रिलर फिल्म 'कर्तव्य' जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है। अभिनेता सैफ अली खान की इस फिल्म में एक ऐसे पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाते नजर आएंगे, जो अपने पेशेवर कर्तव्यों और परिवार के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। 'कर्तव्य' में उनके साथ अभिनेत्री रसिका दुग्गल पहली बार स्क्रीन साझा करती दिखाई देंगी। अपनी दमदार और संजीदा अदाकारी के लिए पहचानी जाने वाली रसिका ने सैफ के साथ काम करने के अनुभव को बेहद खास और यादगार बताया है। रसिका दुग्गल ने बातचीत के दौरान कहा कि सैफ अली खान के साथ काम करना काफी सहज और मनोरंजक रहा। उन्होंने बताया कि सेट पर ऐसा सह-कलाकार मिलना हमेशा सुखद होता है, जिसका हास्यबोध शानदार हो। रसिका के अनुसार सैफ न केवल एक प्रतिभाशाली अभिनेता हैं, बल्कि बेहद अच्छे इंसान भी हैं, जो पूरे माहौल को हल्का और सकारात्मक बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा कि शूटिंग के दौरान सैफ के साथ बिताया गया समय काफी मजेदार रहा और उनकी मौजूदगी ने काम को आसान बना दिया।

अच्छे कलाकार बनने के लिए धैर्य, मेहनत जरुरी : सई मांजरेकर

मुंबई (ए.)। अभिनेत्री सई मांजरेकर का मानना है कि एक अच्छे कलाकार बनने के लिए धैर्य, मेहनत और सही प्रोजेक्ट का चुनाव बेहद जरूरी होता है। अभिनेत्री का कहना है कि वह ऐसे काम का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाए रखे।

सई मांजरेकर ने हाल ही में मीडिया से अपने करियर और काम करने के तरीके को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि अब उन्हें यह समझ आ गया है कि एक अभिनेता के रूप में खुद को समय देना बहुत जरूरी है। अभिनेत्री के मुताबिक वह मौजूदा ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखतीं, बल्कि ऐसे प्रोजेक्ट चुनना पसंद करती हैं जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ने और सीखने का अवसर दें। सई ने कहा कि जब कोई काम पूरी ईमानदारी और दिल से किया जाता है, तो उसका असर दर्शकों पर गहरा पड़ता है और लोग उसे लंबे समय तक याद रखते हैं। उनके अनुसार अभिनय केवल कैमरे के सामने आकर संवाद बोलना नहीं है, बल्कि हर किरदार को महसूस करना और उसमें सच्चाई लाना भी उतना ही जरूरी है। यही वजह है कि वह जल्दबाजी में ज्यादा प्रोजेक्ट साइन करने के बजाय सोच-समझकर काम चुनती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वह अपने हर नए प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हैं। उनके लिए यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि वह अपने काम के प्रति ईमानदार रहें और ऐसी कहानियों का हिस्सा बनें, जिनसे वह खुद भी भावनात्मक रूप से जुड़ाव महसूस करें। सई के मुताबिक लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए कलाकार का अपने काम के प्रति सच्चा होना जरूरी है।

उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने हर किरदार में गहराई और सच्चाई लाने की कोशिश करती हैं ताकि दर्शक उससे खुद को जोड़ सकें। सई का मानना है कि अभिनय में वास्तविक भावनाएं ही किसी किरदार को खास बनाती हैं। इन दिनों सई मांजरेकर अपनी आगामी फिल्म 'इंडिया हाउस' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म आजादी से पहले के दौर की कहानी पर आधारित है, जिसमें उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा। फिल्म को अभिनेता राम चरण अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए प्रोड्यूस कर रहे हैं और यह उनके प्रोडक्शन करियर का पहला प्रोजेक्ट भी माना जा रहा है।

'दादी की शादी' है दिल के बेहद करीब : सादिया खतीब

मुंबई (ए.)। अपनी अपकमिंग पारिवारिक ड्रामा फिल्म 'दादी की शादी' को लेकर अभिनेत्री सादिया खतीब चर्चा में हैं। हाल ही में सादिया ने बताया कि इस फिल्म की कहानी उनके दिल को इतनी गहराई से छू गई थी कि उन्होंने इसे साइन करने में बिल्कुल भी समय नहीं लगाया। सादिया के मुताबिक, लंबे समय तक गंभीर और इंटेंस किरदार निभाने के बाद वह कुछ अलग और भावनात्मक कहानी का हिस्सा बनना चाहती थीं। सादिया खतीब ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार फिल्म की कहानी सुनी, तो उन्हें तुरंत एहसास हो गया कि यह एक खास प्रोजेक्ट है। उन्होंने कहा कि कहानी सुनने के बाद उन्हें हां करने में मुश्किल से एक मिनट लगा होगा। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने यह फिल्म अपनी पिछली रिलीज 'डिप्लोमैट' से भी पहले साइन कर ली थी। उनके अनुसार लगातार गंभीर भूमिकाएं निभाने के बाद एक कलाकार के तौर पर बदलाव जरूरी हो जाता है और 'दादी की शादी' उनके लिए वही बदलाव लेकर आई। अभिनेत्री ने कहा कि यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि परिवार और रिश्तों की भावनात्मक यात्रा है। इसमें माता-पिता, दादा-दादी और परिवार के अन्य सदस्यों के बीच के रिश्तों को बेहद खूबसूरती से दिखाया गया है।

उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से भी ऐसी कहानी दुनिया के सामने लाना चाहती थीं, जिससे लोग खुद को जोड़ सकें। अपनी निजी जिंदगी का जिक्र करते हुए सादिया खतीब भावुक भी नजर आईं। उन्होंने बताया कि कुछ साल पहले रक्षाबंधन के मौके पर उन्होंने अपनी दादी को खो दिया था और वह उनके बेहद करीब थीं। अभिनेत्री ने कहा कि उनके दादाजी का निधन भी काफी पहले हो गया था। जब उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट सुनी, तो उन्हें अपनी दादी के साथ बिताए खूबसूरत पल याद आ गए। उन्होंने कहा कि आज भी जब वह अपनी दादी के बारे में सोचती हैं, तो ऐसा लगता है जैसे वह कल की ही बात हो। सादिया के मुताबिक, फिल्म में उन्हें उसी पवित्र रिश्ते को पर्दे पर निभाने का मौका मिला, जिसने इस प्रोजेक्ट को उनके लिए और भी खास बना दिया। फिल्म के विषय और शीर्षक को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि आज के दौर में ऐसी साफ-सुथरी पारिवारिक फिल्में बहुत कम बनती हैं।

उन्होंने बताया कि 'दादी की शादी' में कॉमेडी, इमोशन और परिवार से जुड़ी भावनाओं का खूबसूरत मिश्रण देखने को मिलेगा। खास बात यह है कि यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों के लिए बनाई गई है और इसे पूरा परिवार साथ बैठकर देख सकता है। फिल्म में सादिया खतीब को नीतू कपूर और कपिल शर्मा जैसे बड़े कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला। इस अनुभव को उन्होंने अपने करियर का महत्वपूर्ण सीखने वाला दौर बताया। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में रिश्तों, परिवार और भावनाओं की खूबसूरत कहानी दिखाई जाएगी।

अक्षय कुमार की आगामी फिल्म की शूटिंग केरल में हुई पूरी

मुंबई (ए.)। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपनी आगामी अनटाइटल्ड फिल्म के केरल शेड्यूल को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया के जरिए शूटिंग पूरी होने की खुशी अपने प्रशंसकों के साथ साझा की। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री विद्या बालन और राशि खन्ना अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की टीम के साथ एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह विद्या बालन और राशि खन्ना के साथ मुस्कुराते हुए दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर के साथ अभिनेता ने केरल में शूटिंग के अनुभव को बेहद खास बताया। उन्होंने लिखा कि खूबसूरत जगह और शानदार लोगों के साथ काम करने का अनुभव हमेशा

यादगार रहता है। अक्षय ने कहा, "केरल का शेड्यूल पूरा हो गया। अच्छे लोगों के साथ एक खूबसूरत जगह पर काम करने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता।" अभिनेता ने अपने पोस्ट में फिल्म के निर्देशक अनीस बज्मी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने लिखा कि अनीस बज्मी ने कैमरे के पीछे शानदार काम किया है और पूरी टीम ने इस प्रोजेक्ट को खास बनाने में अहम भूमिका निभाई है। अक्षय कुमार ने अपनी सह-कलाकार विद्या बालन, राशि खन्ना और अभिनेता राजपाल यादव सहित पूरी टीम का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास अनुभव रही है। बताया जा रहा है कि अनीस बज्मी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म एक्शन और कॉमेडी से भरपूर होगी। हालांकि अभी तक फिल्म के शीर्षक और कहानी से जुड़ी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तान बना सकती है बीसीसीआई : रिपोर्ट

मुम्बई (ए.)। भारतीय टी20 विश्वकप क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की कप्तानी पर खतरा मंडरा रहा है। सूर्यकुमार का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और वह रनों के लिए संघर्ष करते दिखे हैं। ऐसे में भविष्य की ओर देखते हुए बीसीसीआई चयन समिति उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार नये कप्तान की दौड़ में श्रेयस अय्यर का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। सूर्या की कप्तानी में भारतीय टीम ने विश्वकप जीता था पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में माना जा रहा है कि चयन समिति अब उनसे आगे बढ़ना चाहती है। इस भारतीय टीम को इस सत्र में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ अहम सीरीज खेलनी है, और बीसीसीआई जब इन इन मुकाबलों के लिए टीम घोषित करेगा तो टीम को इस प्रारुप में एक नया कप्तान मिल सकता है।

टी20 विश्वकप के अलाव सूर्या आईपीएल में भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं।

उनके लगातार कमजोर प्रदर्शन के कारण् चयनकर्ताओं का मानना है कि अब उन्हें आगे बढ़ने की जरुरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता अगले क्रिकेट चक्र के लिए टीम में एक नई ऊर्जा लाना चाहते हैं, जिसकी शुरुआत आयरलैंड में दो टी20 मैचों से होगी और उसके बाद इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज खेली जाएगी। वहीं श्रेयस ने पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में उन्हें कप्तानी सौंपी जा सकती है। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन 2028 टी20 विश्व कप और लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए एक योजना पर काम कर रहा है। इसमें नए नेतृत्व को अवसर दिया जा सकता है, जिससे भविष्य के लिए मजबूत टीम तैयार की जा सके। अभी के हिसाब से, कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार के दिन कुछ ही लग रहे हैं, और देखना होगा कि वह बल्लेबाज के तौर पर टीम में जगह बना पाते हैं या नहीं।

भुवनेश्वर कुमार का 200वां आईपीएल मैच, किंग कोहली ने तारीफ में बोली बड़ी बात

नईदिल्ली(ए.) । टीम इंडिया के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है. वो 200 आईपीएल मैच खेलने वाले महान खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज ने ये उपलब्धि इकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में हासिल की. इस मैच से पहले भुवनेश्वर ने 199 आईपीएल मैचों में 26.40 की औसत और 7.68 की इकॉनमी रेट से 215 विकेट लिए हैं. इसमें दो बार पांच विकेट और दो बार चार विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है, और उनका सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग प्रदर्शन 5/19 रहा है.इस मील के पत्थर से पहले, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली ने भुवनेश्वर की तारीफ की. एक्स पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा जारी एक वीडियो में, कोहली ने भुवनेश्वर को टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ बॉलर्स में से एक बताया. कोहली ने वीडियो में कहा, 200 मैच खेलना, खासकर एक तेज गेंदबाज के तौर पर, एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

आईपीएल 2026: मिचेल मार्श लखनऊ सुपर जायंट्स से सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने, बनाए ये रिकॉर्ड्स

नईदिल्ली,(ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 50वें मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स के सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ शतकीय पारी (111) खेली। ये उनके आईपीएल करियर का दूसरा ही शतक रहा, जिसे उन्होंने 49 गेंदों में पूरा किया। इस संस्करण शतक जड़ने वाले मार्श 10वें खिलाड़ी रहे। संजू सैमसन एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्होंने आईपीएल 2026 में 2 शतक लगाए हैं। ऐसे में आइए मार्श की पारी और आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं।

मार्श सलामी बल्लेबाज के रूप में आए और पहली गेंद से ही आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने साथी जोड़ीदार अर्शिन कुलकर्णी के साथ मिलकर 56 गेंदों में 95 रन की साझेदारी निभाई। मार्श के बल्ले से पावरप्ले के दौरान 58 रन निकले। वह 56 गेंदों में 9 चौके और 9 ही छक्के की बदौलत 111 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच से पहले मार्श ने इस संस्करण सिर्फ एक अर्धशतकीय पारी (55) राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेली थी। मार्श ने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए आईपीएल के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाया है। इस खिलाड़ी ने ऋषभ पंत का रिकॉर्ड तोड़ा है। पंत ने आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ही खिलाफ 54 गेंदों में शतक लगाया था।

भारतीय क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव बने पिता, पत्नी देविशा ने बेटी को दिया जन्म

नईदिल्ली(आरएनएस)। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव पिता बने हैं। उनकी पत्नी देविशा शेट्टी ने बेटी को जन्म दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर खुद ये जानकारी दी है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में सूर्यकुमार 4 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में खेले थे। एमआई को अब अपने अगले मैच में 10 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ना है और इस मैच में सूर्यकुमार के हिस्सा लेने को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं है।

सूर्यकुमार ने 2016 में देविशा के साथ शादी की थी। ये जोड़ी शादी से पहले एक-दूसरे को लंबे समय तक डेट कर चुके थे। सूर्यकुमार जब भी भारतीय टीम में खेलते हुए नजर आते हैं या आईपीएल में एमआई से खेलते हैं, तब अमूमन देविशा भी मैदान पर नजर आती हैं। बता दें कि सूर्यकुमार इस समय परिवार के साथ मौजूद हैं, जबकि एमआई के बाकी खिलाड़ी अगले मैच के लिए रायपुर पहुंच चुके हैं।

आईपीएल 2026 में सूर्यकुमार नाम के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। उन्होंने अब तक 10 पारियों में 19.50 की औसत और 145.52 की स्ट्राइक रेट के साथ 195 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने एक अर्धशतक लगाया है। उनकी टीम ने इस सीजन में निराश किया है। आईपीएल 2026 में एमआई ने अब तक 10 मैच खेले हैं, जिसमें से सिर्फ 3 में जीत दर्ज की है और 7 में हार झेली है।

आईपीएल में इस बार पंजाब के खिताब जीतने की सबसे अधिक उम्मीद : इरफान पठान

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि IPL 2026 में इस बार कोई नई टीम खिताब जीत सकती है। पठान के अनुसार पंजाब किंग्स ने इस बार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उसके खिताब जीतने की काफी उम्मीदें हैं। आईपीएल में करीब 50 मुकाबले हो गये हैं और प्लेऑफ के लिए दावेदारी तेज हो गयी है। पंजाब की टीम पिछले साल उपविजेता रही थी। इस बार वह अंक तालिक में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले साल की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) तीसरे नंबर पर हैं।पठान को उम्मीद है कि इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब पहली बार खिताब जीत सकती है। पठान ने कहा, पंजाब के पास बहुत अच्छा मौका है। वे प्रभावी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास एक अच्छा संयोजन है। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं बस उसे एक और स्पिनर की जरुरत है जिसकी कमी ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली पूरी कर सकते हैं। पठान ने इसके अलावा कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की भी संभावनएं हैं हालांकि टीम अभी अंक तालिका में पीछे है पर उसे मुकाबले से बाहर नहीं माना जा सकता है। इसका कारण है कि दिल्ली भी अच्छी टीम है। अभी उसकी संभावनएं कम लग रही हैं पर उसमें क्षमताएं हैं।

वही दूसरी ओर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का माननाहै कि इस बार भी मौजूदा चैंपियन आरसीबी अपना खिताब बनाये रखने में सफल रहेगी। रैना ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी अपने खिताब का बचाव कर सकती है। जिस तरह से वे खेल रहे हैं, और जिस तरह से उनकी गेंदबाज़ी इकाई काम कर रही है जिसमें कप्तान रजत पाटीदार आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं वह काफी प्रभावशाली रहा है। यह केवल 240-250 जैसे बड़े स्कोर बनाने के बारे में नहीं है; बल्लेबाजी ईकाई में हर कोई अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझता है। इसके अलावा कहा कि राजस्थान रॉयल्स और गुंजरात टाइटंस भी खिताब की दावेदार नजर आती है। उन्होंने कहा कि रॉयल्स और गुजरात के खिलाड़ियों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर BCCI लागू करने जा रही नए नियम

लखनऊ (ए.)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के वाइस प्रेसिडेंट राजीव शुक्ला ने कहा कि गवर्निंग बॉडी सभी आईपीएल खिलाड़ियों के लिए टूर्नामेंट के दौरान पारदर्शिता बेहतर करने और सुरक्षा इंतजाम को मजबूत करने के लिए कड़े नियम ला रही है।उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों तक पहुंच को नियंत्रित किया जाएगा, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी, बाहरी दखल या सुरक्षा खतरे से बचा जा सके। राजीव शुक्ला ने बताया कि अब फैंस और बिना अनुमति वाले लोगों को टीम होटल, टीम बस या खिलाड़ियों के निजी क्षेत्रों में उनसे मिलने की इजाजत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि आईपीएल की पारदर्शिता बनाए रखने और खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित माहौल तैयार करने के लिए ये नियम अगले कुछ दिनों में लागू किए जा सकते हैं।बीसीसीआई ने हाल ही में सभी 10 आईपीएल फ्रेंचाइजियों को सात पन्नों की नई गाइडलाइन भेजी है। इसमें टीमों को हनी-ट्रैप जैसे संभावित खतरों से सावधान रहने को कहा गया है। बोर्ड ने साफ किया है कि खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसी वजह से अब होटल और टीम से जुड़े सभी गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जाएगी। नई गाइडलाइन के

मुताबिक, किसी भी खिलाड़ी या टीम अधिकारी के कमरे में बिना टीम मैनेजर की जानकारी और मंजूरी के कोई भी व्यक्ति नहीं जा सकेगा। चाहे वह खिलाड़ी का दोस्त, रिश्तेदार या कोई और परिचित ही क्यों न हो। सभी टीम मैनेजरों को होटल में आने-जाने वाले मेहमानों और खिलाड़ियों की गतिविधियों का रिकॉर्ड भी रखना होगा। बीसीसीआई ने यह भी कहा है कि वह समय-समय पर अचानक 'सरप्राइज चेक' करेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी फ्रेंचाइजियां नियमों का सही तरीके से पालन कर रही हैं। इसके अलावा, बोर्ड ने खिलाड़ियों और अधिकारियों को वेपिंग और ई-सिगरेट से भी दूर रहने की चेतावनी दी है। हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें उन्हें ड्रेसिंग रूम में वेपिंग करते देखा गया था। इसके बाद बीसीसीआई ने सख्त रुख अपनाया है।बोर्ड ने कहा कि भारत में वेप और ई-सिगरेट का इस्तेमाल कानूनन प्रतिबंधित है। अगर कोई खिलाड़ी या अधिकारी ऐसा करते पाया गया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है। बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी मालिकों के लिए भी नए निर्देश जारी किए हैं। मैच के दौरान मालिकों को डगआउट में खिलाड़ियों, कोच या सपोर्ट स्टाफ से बातचीत करने से मना किया गया है। बोर्ड का मानना है कि इससे खेल के दौरान अनावश्यक दबाव और बाहरी दखल कम होगा। बोर्ड का कहना है कि इन नए नियमों का मकसद आईपीएल को और ज्यादा पारदर्शी, सुरक्षित और प्रोफेशनल बनाना है, ताकि खिलाड़ियों और टूर्नामेंट की विश्वसनीयता बनी रहे।

विदेश समाचार

इंडोनेशिया का माउंट डुकोनो ज्वालामुखी फटा; 3 पर्वतारोहियों की मौत, 32,000 फीट ऊपर पहुंची राख

जकार्ता,(आरएनएस)। इंडोनेशिया में हमाहेरा द्वीप पर स्थित माउंट डुकानो ज्वालामुखी शुक्रवार को विस्फोट हो गया। घटना के बाद कम से कम 3 पर्वतारोहियों की मौत हो गई, जबकि 10 अभी

फंसे हैं। घटना सुबह 7:41 बजे हुआ है। ज्वालामुखी फटने के बाद उसकी राख क्रेटर से 10 किलोमीटर (करीब 32808 फीट) ऊपर तक फैल गई है। इलाके में फंसे पर्वतारोहियों को बचाने के लिए एक आपातकालीन अभियान शुरू किया गया है। इसमें 9 पर्वतारोही सिंगापुर के नागरिक हैं। उत्तरी हलमाहेरा प्रांत के पुलिस प्रमुख ने बताया कि घटना में 3 लोग मारे गए हैं, जिनमें 2 सिंगापुर के नागरिक और एक पूर्वी इंडोनेशिया के टेरनाटे द्वीप का एक निवासी है। उन्होंने बताया कि सभी पर्वतारोही थे। वैज्ञानिकों ने ज्वालामुखी गतिविधि में वृद्धि देखे जाने के बाद 17 अप्रैल से इस क्षेत्र को आगंतुकों के लिए बंद कर दिया था। निवासियों और पर्यटकों से ज्वालामुखी के गड्ढे के 4 किलोमीटर के दायरे से दूर रहने को कहा गया है।माउंट डुकोनो हाल्माहेरा द्वीप पर स्थित 3 ज्वालामुखियों में से एक है। यह 1933 से लगातार फट रहा है, जिसमें अक्सर सल्फर डाइऑक्साइड के गुबार निकलते हैं। यह इंडोनेशिया के मुख्य यात्रा मार्गों से दूर है।

अमेरिकी अदालत ने डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक 10 प्रतिशत टैरिफ को रद्द किया, अमान्य बताया

वाशिंगटन, (आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को न्यूयॉर्क स्थित अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय से टैरिफ के मामले में बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि 10 प्रतिशत वैश्विक शुल्क अवैध थे। कोर्ट ने यह फैसला 3 न्यायाधीशों के विभाजित मत के आधार पर न्यायाधीशों के एक मत ने 2-1 से सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि ट्रंप ने कानून के तहत कांग्रेस द्वारा राष्ट्रपति को दी गई शुल्क संबंधी शक्ति का उल्लंघन किया था।

न्यायाधीशों के बहुमत ने जहां टैरिफ को अमान्य और कानून द्वारा अनधिकृत बताया, वहीं पैनल के तीसरे न्यायाधीश ने असहमति जताते हुए कहा कि यह कानून राष्ट्रपति को शुल्क निर्धारण पर व्यापक अधिकार देता है। कोर्ट ने यह फैसला छोटे व्यवसायी कंपनी वाशिंगटन राज्य की मसाला कंपनी बर्लैप एंड बैरल और खिलौना कंपनी बेसिक फन की याचिका पर सुनाया है। उन्होंने टैरिफ को चुनौती दी थी। यह निर्णय केवल 2 आयातकों और वाशिंगटन राज्य पर ही लागू होता है।

गुरुवार के फैसले में प्रशासन को याचिकाकर्ताओं से इन शुल्कों की वसूली बंद करने और पहले किए गए भुगतानों को वापस करने का निर्देश दिया गया है। कोर्ट के फैसले के अनुसार 3 याचिकाकर्ताओं के अलावा अन्य सभी आयातकों के लिए जुलाई तक अस्थायी टैरिफ लागू रह सकते हैं। इन शुल्कों की अवधि जुलाई में समाप्त होने की उम्मीद है। फैसले में पाया गया कि ट्रंप द्वारा 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 122 के तहत शुल्क लगाना गलत था। न्यूयॉर्क स्थित कोर्ट ने सभी आयातकों पर टैरिफ को रोकने के लिए निषेधाज्ञा जारी करने से इनकार कर दिया है। बता दें कि 24 राज्यों के एक समूह द्वारा दायर याचिका में अधिकांश का नेतृत्व डेमोक्रेट कर रहे थे। अदालत ने पाया कि उसके पास ऐसा करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट के फैसले में कहा कि निजी याचिकाकर्ताओं ने विश्वव्यापी निषेधाज्ञा के लिए कोई विशिष्ट तर्क नहीं दिए हैं। प्रशासन फैसले के खिलाफ अपील कर सकता है।ट्रंप प्रशासन ने इस साल फरवरी में सुप्रीम कोर्ट द्वारा हर देश पर पहले लगाए गए दोहरे अंकों के व्यापक टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद अस्थायी 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ को लागू किया था।

पाकिस्तान ने चीनी तकनीक पर आधारित फतह-3 सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का किया अनावरण

इस्लामाबाद,(आरएनएस)। पाकिस्तान ने चीनी तकनीक पर आधारित फतह-3 सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का अनावरण किया है। इस मिसाइल को भारत के साथ हुए संघर्ष के एक साल पूरे होने के मौके पर जनता के सामने प्रदर्शित किया गया। पाकिस्तान इस मिसाइल को भारत की ब्रह्मोस मिसाइल का जवाब के तौर पर पेश करना चाह रहा है। ये चीन की एचडी-1 मिसाइल का उन्नत संस्करण है,जो इस्लामाबाद-बीजिंग के बीच बढ़ते संबंधों को भी दर्शाती है।यह आवाज की गति से 2.5 से लेकर 4 गुना तक तेज रफ्तार से उड़ान भर सकती है। यह ग्लाइड करते हुए जमीन और समुद्र की सतह से सटकर उड़ सकती है, जिससे इसके दुश्मन के रडार में पकड़े जाने की संभावना कम हो जाती है। रक्षा विश्लेषकों का मानना है कि इस मिसाइल का वजन लगभग 1.2 से 1.5 टन है और ये अपने साथ लगभग 250 किलोग्राम वजनी वॉरहेड ले जा सकती है।पाकिस्तान अब तक पारंपरिक लंबी दूरी के अभियानों के लिए मुख्य रूप से धीमी गति वाली सबसोनिक क्रूज मिसाइलों और बैलिस्टिक प्रणालियों पर निर्भर था। फतह-3 सुपरसोनिक मिसाइल है, जो गति के मामले में उल्लेखनीय उपलब्धि है। कम ऊंचाई पर उड़ने वाली ये मिसाइल रडार को चकमा देने में सक्षम है। इसमें कथित तौर पर ठोस ईंधन प्रणोदन प्रणाली का उपयोग इसे पुराने तरल ईंधन मिसाइल डिजाइनों की तुलना में भंडारण, संचालन और त्वरित प्रक्षेपण प्रक्रियाओं में बेहतर बनाता है।ओएसआईएनटी रिसर्चर्स ने फतह-3 मिसाइल को चीनी एचडी-1 मिसाइल ही बताया है, जिसका पाकिस्तान ने स्थानीय स्तर पर उत्पादन किया है। वहीं, आईडीआरडब्ल्यू के मुताबिक, पाकिस्तान ने गुआंगडोंग होंगडा ब्लास्टिंग नाम की एक चीनी कंपनी से एचडी-1 नाम की रैमजेट प्रोपल्शन मिसाइल खरीदी है। पाकिस्तान का दावा है कि क्रूज क्षमता होने की वजह से ये मिसाइल जमीन से काफी नीचे उड़ान भरेगी और काफी ज्यादा स्पीड की वजह से एयर डिफेंस सिस्टम्स के लिए इसे इंटरसेप्ट करना मुश्किल होगा।

मेक्सिको के मेला मैदान में लगी भीषण आग, 5 लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी, (आरएनएस)। मेक्सिको के तबस्को राज्य में स्थित विलाहेरमोसा शहर में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां मैदान में लगे एक मेले में भीषण आग लग गई, जिसकी चपेट में आकर 5 लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब हजारों लोगों की भीषण मेले के एक संगीत कार्यक्रम में मौजूद थी। आग लगने के बाद अफरा-तफरी मच गई और कई लोग घायल हो गए। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है, जिसमें भगदड़ दिख रही है। सूत्रों ने बताया कि संगीत कार्यक्रम बुधवार रात को शुरू हुआ था, जिसमें करीब 1.35 लाख लोग शामिल हुए थे। तबस्को के गर्वनर जेवियर मे ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि आग को बुझा लिया गया है प्रभावित लोगों के लिए आर्थिक सहायता की योजना बनाई जा रही है। मेला मैदान में लगभग 200 स्टॉल जलकर खाक हो गए हैं। आपातकालीन अभियान के तहत आगंतुकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस का कहना है कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चला है, लेकिन संभावना जताई जा रही है कि यह शॉर्ट सर्किट से लगी होगी। कानून प्रवर्तन एजेंसियां इसकी जांच कर रही हैं। प्रशासन ने प्रभावित परिवारों के साथ व्यापारियों और व्यवसायों के लिए भी एक आर्थिक पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम की घोषणा की है। बता दें कि पिछले साल नवंबर में उत्तर-पश्चिमी शहर हर्मोसिलो के वाल्डो डिस्काउंट स्टोर में भीषण आग लगी थी, जिसमें 23 मौत हुई थी।

नाकाबंदी के बीच रडार से गायब हुए जहाज, होर्मुज से UAE ने चुपचाप पार करा लिए 4 विशाल तेल टैंकर

अबू धाबी, (आरएनएस)। मिडिल ईस्ट में लगातार बढ़ते तनाव और ईरान के कड़े तेवरों के बीच संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने एक बेहद जोखिम भरा 'सीक्रेट ऑपरेशन' अंजाम दिया है। खाड़ी में युद्ध के मंडराते बादलों के बावजूद यूएई ने बेहद खामोशी और सावधानी के साथ होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते अपनी तेल सप्लाई जारी रखी है। रॉयटर्स की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, यूएई की सरकारी तेल कंपनी एडीएनओसी (ADNOC) ने अप्रैल महीने में कम से कम 60 लाख बैरल कच्चा तेल खाड़ी से बाहर भेजा है। इसमें 40 लाख बैरल 'अपर जाकुम' क्रूड और 20 लाख बैरल 'दास' क्रूड शामिल है, जिसे चार विशाल टैंकरों के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला गया।

लोकेशन ट्रैकर बंद कर ईरान को दिया धोखा

ईरानी सेना की नजरों और हमलों से बचने के लिए यूएई ने समुद्र में बड़ी चाल चली। रिपोर्ट के अनुसार, यूएई ने अपने कई तेल टैंकरों के ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (AIS) यानी लोकेशन ट्रैकर को पूरी तरह से बंद कर दिया था। रडार बंद होने की वजह से इन जहाजों की असल लोकेशन ट्रैक करना लगभग नामुमकिन हो गया। दिलचस्प बात यह है कि रडार से गायब होकर तेल सप्लाई करने का यह वही 'भूतिया'

तरीका है, जिसे खुद ईरान भी लंबे समय से अमेरिकी प्रतिबंधों को चकमा देने के लिए खुलेआम इस्तेमाल करता आया है।

समुद्र के बीचों-बीच दूसरे जहाजों में शिफ्ट हुआ तेल

होर्मुज स्ट्रेट के बेहद संवेदनशील इलाके को पार करने के बाद इन टैंकरों ने समुद्र के बीचों-बीच ही दूसरे जहाजों में तेल को ट्रांसफर (शिप-टू-शिप ट्रांसफर) किया। इसके बाद इस कच्चे तेल को मलेशिया, दक्षिण कोरिया और अन्य एशियाई देशों की रिफाइनरियों तक सुरक्षित पहुंचाया गया, जबकि कुछ हिस्सा ओमान के स्टोरेज टर्मिनल में भी भेजा गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि 'हफीत' नामक जहाज 20 लाख बैरल तेल लेकर होर्मुज पार कर मलेशिया की पेंगरांग रिफाइनरी पहुंचा। वहीं, 'अलीएकमोन-1' नाम के एक अन्य टैंकर ने 20 लाख बैरल क्रूड तेल सुरक्षित ओमान पहुंचाया।

ड्रोन हमले का बड़ा खतरा, फिर भी सप्लाई जारी रखने की जिद

इस पूरे ऑपरेशन में यूएई ने कितना बड़ा जोखिम उठाया है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इराक, कुवैत और कतर जैसे अन्य खाड़ी देशों ने तनाव के डर से अपनी तेल बिक्री या तो बहुत कम कर दी है या पूरी तरह रोक दी है। वहीं, सऊदी अरब अब सिर्फ लाल सागर के रास्ते ही अपना तेल भेज पा रहा है। यूएई ने हाल ही में आरोप भी लगाया था कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरते वक्त उसके एक खाली टैंकर 'बराकाह' पर ईरान ने ड्रोन से हमला किया था। इस तनाव के बाद से एडीएनओसी का तेल निर्यात रोजाना 10 लाख बैरल से ज्यादा घट गया है।

प्रगणकों ने केवल 08 दिन मे पूरा किया जनगणना कार्य, तहसीलदार ने किया सम्मानित

सीहोर नगर तहसील ग्रामीण चार्ज अंतर्गत शत-प्रतिशत पूरा हुआ प्रथम चरण का कार्य घर-घर जाकर मकान सूचीकरण का कार्य कर रहे हैं प्रगणक

सीहोर (निप्र) । कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण का कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में सीहोर तहसील ग्रामीण चार्ज में कार्यरत 02 प्रगणकों विनोद कुमार त्यागी और रूपसिंह वर्मा ने उत्कृष्ट कार्य कुशलता का परिचय देते हुए मात्र 08 दिनों में ही में ही अपने कार्यक्षेत्र में मकान सूचीकरण का शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कर एक सराहनीय उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस प्रतिबद्धता, परिश्रम और कार्य के प्रति समर्पण भाव को देखते हुए तहसीलदार डॉ अमित सिंह द्वारा उन्हें फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही तहसीलदार डॉ अमित सिंह ने बताया कि सीहोर नगर तहसील ग्रामीण चार्ज अंतर्गत भी जनगणना के प्रथम चरण का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण हो गया है। इस उपलब्धि के लिए प्रगणक धीरज एवं सुपरवाइजर बृजेश शर्मा को सम्मानित किया गया। इन प्रगणकों द्वारा कम समय में शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति न केवल अन्य प्रगणकों के लिए प्रेरणास्रोत है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि यदि जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य किया जाए तो निर्धारित समयसीमा के भीतर उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

कलेक्टर ने नागरिकों से की जनगणना में सहयोग की अपील

जिले में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण का कार्य 01 मई से 30 मई तक संचालित किया जा रहा है, जिसमें प्रगणक घर-घर जाकर मकान सूचीकरण का कार्य कर रहे हैं और निर्धारित प्रपत्रों में परिवारों की आवश्यक जानकारी एकत्रित कर रहे हैं। कलेक्टर बालागुरू के. ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे प्रगणकों को सही जानकारी दें और जनगणना में सहयोग करें। उन्होंने कहा है कि जनगणना के माध्यम से प्राप्त आंकड़े शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, संसाधनों के समुचित वितरण एवं विकास योजनाओं की बेहतर योजना निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शिविर लगाकर की गई हेपेटाइटिस बी एवं सी, एचआईवी तथा सिफलिस की जांच

सीहोर (निप्र)। राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा सीहोर में उच्च जोखिम समूह की जांच के लिए शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 92 व्यक्तियों की हेपेटाइटिस बी एवं सी, एचआईवी तथा सिफलिस की जांच की गई। शिविर में डॉ रुचिरा उइके, पीयर सपोर्टर, आईसीटीसी काउंसलर, लैब तकनीशियन, परियोजना प्रबंधक उपस्थित थे।

आस्था और उत्साह के साथ किया गया श्रीराधेश्याम विहार कालोनी में गोपेश्वर महादेव को विराजमान

सीहोर (निप्र)। शहर के मुगीसपुर के समीपस्थ स्थित श्रीराधेश्याम विहार कालोनी में करीब छह हजार स्क्वायर फीट परिसर में आस्था और उत्साह के साथ श्री शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव एवं श्री लघु रुद्र महायज्ञ का शुक्रवार को समापन किया गया। यहां पर एक दर्जन से अधिक विप्रजनों ने 21 हजार से अधिक मंत्रों के उच्चारण के साथ यज्ञ में यजमानों ने आहुतियां दी और उसके पश्चात मंदिर में गोपेश्वर महादेव को विराजमान किया गया। लगातार पांच दिनों तक नियमित रूप से सुबह और शाम नगर भोज का आयोजन किया गया था। इसमें करीब तीन हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। शुक्रवार को अंतिम दिन कथा वाचक पंडित मोहित राम पाठक के मार्गदर्शन में यज्ञाचार्य पंडित सतीश तिवारी, वरिष्ठ समाजसेवी अखिलेश राय, मुख्य यजमान संस्कार मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी सहित सैकड़ों की संख्या में आस्थावान श्रद्धालुओं ने पूर्णाहुतियां दी। इस मौके पर क्षेत्रवासियों ने बताया कि कालोनी में श्री शिव परिवार की स्थापना की गई है। इसमें शुक्रवार को मंत्रों के द्वारा दिव्य अनुष्ठान पूर्ण किया गया है और भगवान गोपेश्वर महादेव को स्थापित किया गया है। भगवान शिव गोकुल में गोपी का रूप बनाकर महारास में शामिल हुए थे। उस समय देवताओं ने फूलों की वर्षा की और भगवान कृष्ण ने महादेव का नाम गोपेश्वर रखा था तभी से गोपेश्वर महादेव गोकुल में विराजमान है। अब उनकी स्थापना श्री राधेश्याम विहार कालोनी में आस्था और उत्साह के साथ की गई है। विशाल कालोनी के मध्य में छह हजार स्क्वायर फीट परिसर में बनाए गए मंदिर में रंग-बिरंगी रोशनी की गई है। पांच दिनों तक यहां पर चलने वाले महोत्सव की शुरूआत प्रायश्चित हेमाद्री स्नान, कलश यात्रा के साथ की गई और रात्रि को भजन संध्या और गणगौर नृत्य का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

अम्बेडकर उपवन में जल्द स्थापित होगी बाबा साहेब की प्रतिमा, सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

सीहोर (निप्र) । शहर के अम्बेडकर उपवन में संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की भव्य प्रतिमा का अनावरण जल्द ही किया जाएगा। शुक्रवार को अहिरवार समाज संघ के पदाधिकारियों ने नगरपालिका अध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर से उनके निवास पर मुलाकात कर एक मांग पत्र सौंपा। मुलाकात के दौरान नपाध्यक्ष ने समाज को आश्वस्त किया कि प्रतिमा नगर पालिका द्वारा मंगवा ली गई है और समाज की सहमति से जल्द ही भव्य कार्यक्रम के साथ इसका अनावरण किया जाएगा।अहिरवार समाज संघ के प्रदेश सचिव विनोद कुमार बड़ोदिया ने मांग पत्र के माध्यम से बताया कि पिछले वर्ष नगरपालिका द्वारा अम्बेडकर उपवन का अनावरण किया गया था, जहां बाबा साहेब की तस्वीर लगाई गई थी। लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा बार-बार उस तस्वीर को क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया गया। समाज ने मांग की है कि उपवन का सौंदर्यीकरण कराया जाए और वहां सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएं, ताकि बाबा साहेब की प्रतिमा और उपवन की गरिमा सुरक्षित रहे। सचिव बड़ोदिया ने बताया कि मुलाकात के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने बाबा साहेब के विचारों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि नगर पालिका बाबा साहेब के उपवन को एक आदर्श स्थल के रूप में विकसित कर रही है। उन्होंने समाज के पदाधिकारियों से कहा बाबा साहेब की प्रतिमा आ चुकी है।

जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित

शिविर में एकत्रित किया गया 40 युनिट रक्त

सीहोर (निप्र) । विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर सीहोर जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉक्टर्स, स्टाफ व समाजसेवी संस्थाओं के सदस्यों ने रक्तदान किया। शिविर में लगभग 40 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। सिविल सर्जन डॉ यूके श्रीवास्तव ने बताया कि थैलेसीमिया से जूझ रहे मरीजों को नियमित रूप से रक्त की आवश्यकता होती है। इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, ताकि नागरिकों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जा सके।

रविवार को खेला जाएगा विमला देवी राय इंटर हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल

सीहोर (निप्र) । शहर के बीएसआई मैदान पर पीपीसीए के सहयोग से विमला देवी राय इंटर हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में 250 से अधिक खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। इसमें तीन श्रेणी है। सीनियर टीम, जूनियर टीम और सब जूनियर टीम, रविवार को सीनियर टीम में गणेश टायर और कृष्णा टायर के मध्य 40-40 ओवर का फाइनल मैच खेला जाएगा। इसके अलावा जूनियर टीम में टीम मानसी और यामनी के मध्य 25-25 ओवर का फाइनल मैच खेला जाएगा।खिलाड़ियों को मंच देने के लिए विमला देवी राय इंटर हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष विधायक सुदेश राय, सचिव अतुल तिवारी, कोषाध्यक्ष वीरु वर्मा और मनोज दीक्षित मामा के मार्गदर्शन में पीपीसीए के कोच आदर्श राय, अतुल त्रिवेदी, विकास सास्ता, आशीष मेवाड़ा, हितेश केसरिया और दीपक तोमर आदि शामिल है।

महंगाई पर समाजसेवी चंपा लाल यादव की जोरदार अपील, नाश्ते के दाम नियंत्रित हों

समाजसेवी चंपा लाल यादव ने कलेक्टर से नाश्ते की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण की मांग की

सीहोर (निप्र) । शहर में लगातार बढ़ रही महंगाई के बीच अब आम लोगों की थाली और नाश्ता भी प्रभावित होने लगा है। कचौरी, समोसा, पोहा, जलेबी और अन्य नाश्ते की वस्तुओं के बढ़ते दामों को लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। इसी मुद्दे को लेकर सीहोर नागरिक बैंक के पूर्व संचालक एवं समाजसेवी चंपा लाल यादव ने जिला कलेक्टर से नाश्ते की वस्तुओं के दाम कम कराने की मांग की है। समाजसेवी चंपा यादव ने कहा कि महंगाई के इस दौर में गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए रोजमर्रा का खर्च चलाना मुश्किल होता जा रहा है। पहले जहां लोग कम कीमत में आसानी से नाश्ता कर लेते थे, वहीं अब छोटी - छोटी खाद्य सामग्री भी महंगी हो गई है। उन्होंने कहा कि कई दुकानदार मनमाने तरीके से कीमतें बढ़ा रहे हैं, जिससे आम नागरिकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

उन्होंने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि खाद्य पदार्थों की कीमतों की नियमित जांच की जाए और बाजार में अनावश्यक मूल्य वृद्धि पर रोक लगाई जाए। साथ ही, होटल और नाश्ते की दुकानों पर रेट सूची अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए जाएं, ताकि ग्राहक सही कीमत पर सामग्री प्राप्त कर सकें। चंपा लाल यादव ने कहा, गरीब मजदूर, छात्र और नौकरीपेशा लोग सुबह के समय सस्ता नाश्ता कर अपने काम पर निकलते हैं। लेकिन लगातार बढ़ती कीमतों के कारण अब उनके लिए दो वक्त का भोजन जुटाना भी कठिन हो रहा है। प्रशासन को इस दिशा में गंभीर कदम उठाने चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ स्थानों पर गुणवत्ता में कमी करते हुए भी अधिक कीमत वसूली जा रही है।

विश्व थैलेसीमिया दिवस के उपलक्ष्य में जिला चिकित्सालय में हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

सीहोर (निप्र) । विश्व थैलेसीमिया दिवस के उपलक्ष्य मे जिला चिकित्सालय सीहोर के ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर कर आयोजन किया गया। उक्त शिविर में चिकित्सकों, स्टाफ व समाजसेवी संस्थाओं द्वारा रक्तदान किया गया ।

थैलेसीमिया से जूझ रहे मरीजों को नियमित रूप से रक्त की आवश्यकता होती है। इसी संदेश को जन-जन तक पहूचाने हेतु रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य रूप से रक्तदान शिविर में प्रख्यात समाजसेविका श्रीमती अरूणा-सुदेश राय, डॉ.यू.के. श्रीवास्तव सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय एवं अस्पताल के चिकित्सक एवं स्टाफ और सामाजिक संगठन उंगली रक्तदान गुप्र द्वारा रक्त दान कर मानवता एवं सेवा का अदभूत उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

शहर के चर्च मैदान पर ब्लाक स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता

सीहोर बाइज ने डीएसवाय को 2-0 से हराया

सीहोर (निप्र) । शहर के चर्च मैदान पर जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में खेली जा रही जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता के अंतर्गत शुक्रवार को सीहोर बाइज और डीएसवाय के मध्य खेला गया। इसमें आदित्य के शानदार गोल की वजह से सीहोर बाइज की टीम 2-0 से जीती। इस मौके पर एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया आदि शामिल थे।एसोसिएशन के प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि शुक्रवार की शाम को सीहोर बाइज और डीएसवाय के मध्य मुकाबला खेला गया थी, इस मैच में सीहोर बाइज की टीम 2-0 से जीती। मैच में सीहोर बाइज की ओर से वंश और आदित्य ने 1-1 गोल किया।

श्री सत्य साँई विश्वविद्यालय के कृषि स्नातको हेतु साक्षात्कार

सीहोर। श्री सत्य साँई विश्वविद्यालय के कृषि स्नातको हेतु साक्षात्कार आयोजित द्वारा साक्षात्कार का सीहोर की सत्यसाई प्रोद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय अंर्तगत स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर में बीएससी आनर्स कृषि के अन्तिम वर्ष के छात्रो हेतु विश्वस्तरीय कृषि आदान निर्माता कम्पनो बायर क्राप साइस लिमिटेड द्वारा आयोजन किया गया कम्पनी के क्षेत्रिय विपणन प्रबंधक संजय पटेल द्वारा छात्रो का साक्षात्कार किया गया। इस अवसर पर श्री पटेल ने बताया कि बायर क्रायसाइन्स लिग को फील्ड आफिसर के तीस पदों हेतु इंटर्नशिप के लिये अन्तिम वर्ष के छात्रों की आवस्यकता है। साक्षात्कार प्रक्रिया में छात्रों ने बदला भरपूर हिन्सेदारी की। श्री पटेल के अनुसार कंपनी द्वारा प्रति वर्ष कृषि स्नातको हेतु इसप्रकार के साक्षात्कार आयोजित किये जाते रहेगें। विश्वविद्यालय के कुलगुरु डा. मुकेश तिवारी ने चयनित छात्रों पर बधाई प्रेषित करने हुऐ उनके उज्भजवल भाविष्य की कामना की है. तथा स्कूल आफ एग्रीकल्चर के अधिष्ठाता डॉ0 विवेक सिंह तोमर ने बायर काप साइंस का आभार माना है।

सीवन घाट पर 36वां दिवस प्रशासन की टीम भोपाल व सीहोर से पहुंची निरीक्षण करने

सीहोर (निप्र) । सीवन पुत्रों का काम देखकर टीम भी हैरान रह गई दिन शुक्रवार का ऐतिहासिक रहा सुबह सीवन पुत्र एवं सीवन योद्धा पहुंच गए महिला घाट के आगे वाला घाट हाथी घाट यहां पर स्वच्छता का मिशन जारी रखा ऑपरेशन सिवान के अंतर्गत सबसे पहले सीढ़ीओ पर जमा मिट्टी और कचरे को हटा दिया उसके बाद जल का शुद्धिकरण करने हेतु उतर गए सीवन की गोद में लगभग 1:00 बजे के बाद वापस महिला घाट पर जाकर महिला घाट पर फेके गए कचरे व कपड़ों को फिर से निकाला की है सीवन योद्धा आठ दिनों से महिला घाट को साफ कर रहे थे लेकिन लोगों की लापरवाही वा न समझी रही की पुल के ऊपर से कचरे की थैलियां सीवन नदी में डालते रहे सीवन आस्था का प्रमुख केंद्र है यहां पर समपूर्ण राज्यों से श्रद्धालु श्रद्धा लेकर आते हैं दोपहर 3:00 बजे के करीब प्रशासन की टीम भोपाल व सीहोर से महिला घाट पर पहुंच गई उन्होंने सिवान योद्धाओं को काम करते हुए भी देखा उनकी मेहनत को दिखा को देखकर उन्होंने यही कहा कि यह काम कोई आम काम नहीं है बड़े अधिकारियों ने कर्मचारियों को निर्देश देकर गए सिवान महिला घाट की साफ सफाई को लेकरउस दौरान सिवान पुत्र प्रदीप चढ़ा एवं मुकेश राय विशेष रूप से उपस्थित रहे उन्होंने अधिकारियों के सवालों के जवाब दिए और और जो समस्या थी उसके बारे में भी उन्हें अवगत कराय साथ ही साथ सिवान योद्धा लगातार अपना काम करते रहे काम करने के दौरान महिला घाट मेंफिर से देवी देवताओं की मूर्तियां शिवलिंग दिवंगत आत्माओं के फोटो आदि गंदे स्थान से निकलते रहे किसी बीच 9 साल के बालक रवि ने सीवन की गोद में उतरकर लोगों को मैसेज दिया मां सिवान की सेवा बच्चों से लेकर वृद्ध तक की जिम्मेदारी है बच्चे ने कहा कि जो भी सिवान में की मृत लोगों की फोटो देव प्रतिमाएं सीवन डालकर जा रहे हैं वह बहुत बड़ा पाप कर है।

हनुमान फाटक धाम पर सीवन योद्धाओं का स्वागत रखा गया आज रेड क्रॉस सोसाइटी के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित हुए उनमें समाजसेवी विपुल चांडक हिंदू परमार कमल सिंह ठाकुर महेंद्र वर्मा आदि ने शिवान योद्धाओं का सम्मान किया इस अवसर पर सिवान पुत्र राजकुमार सोनी एवं ऑपरेटर ओम प्रकाश वर्मा का भी स्वागत किया स्वागत में जीवन पुत्र जगदीश वर्मा लक्ष्मण सिंह चौक से प्रकाश यादव मुकेश राय ओम कैलाश चव्हाण प्रकाश वर्मा प्रदीप चावड़ा वैभव राठौर कानीराम मालवीय कमल केवट श्याम सिंह आदि उपस्थित रहे।

उर्स मुबारक के मौके पर तीन दिवसीय कव्वाली एवं मुशायरे का आयोजन सम्पन्न

सीहोर (निप्र) । सर्वधर्म दुल्हा बादशाह उर्स कमेटी के तत्वावधान में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी प्राचीन दुल्हा बादशाह दरगाह पर उर्स मुबारक के पावन अवसर पर दरगाह परिसर में तीन दिवसीय शानदार कव्वाली एवं मुशायरे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंदों और शायरी प्रेमियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ फातिहा और चादरपोशी के साथ हुआ।

ज्ञातव्य है कि शहर के नगर सेठ स्व.श्री गेंदालाल राय की परम्परा को निभाते हुए आयोजन के प्रथम दिवस सर्वधर्म दुल्हा बादशाह उर्स कमेटी के अध्यक्ष रिजवान पठान एवं उर्स कमेटी अध्यक्ष नौशाद खान के नेतृत्व में दिनांक 5 मई को स्थानीय कोतवाली चौराहे से बैंड बाजों के साथ पवित्र चादर लेकर शहर प्रमुख मार्गों से होते हुए दुल्हा बादशाह दरगाह पर पेश की गई। साथ रात्रि 9 बजे से मिलाद शरीफ व मुशायरा कवि सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें विशेष रूप मनोज शर्मा उपस्थित रहे।दुसरे दिन दिनांक 6 मई को मुख्य अतिथि के रूप से उपस्थित नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर, सीएसपी शर्मा मेडम व मुनव्वर कौशर, राहुल निहोरे आदि का सम्मान किया करते हुए कव्वाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव म.प्र. शासन राजस्व विभाग जिला सीहोर

अधिसूचना धारा -19

(भूमि अर्जन, पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम,2013)

सीहोर, दिनांक 23/04/2026

प्रकरण क्रमांक 0002/अ-82/2025-26 चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि अनुसूची के पद (2) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (3) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है।

अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-19 के अंतर्गत यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है।

-: अनुसूची -1:-

जिला	तहसील/ग्राम	अर्जित क्षेत्रफल हेक्टेयर	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	2	3	4
सीहोर	सीहोर/मुरली	0.026 हैक्टेयर	भोपाल-सीहोर मार्ग पर (एस0 एच0-18 पर रेल्वे क्रांसिंग क्रमांक 104 पर आर.ओ.बी. निर्माण कार्य हेतु

-: अनुसूची -2:-

(प्रभावित धारकों की सूची)

क्रं	भूमि स्वामी का नाम, पिता का नाम	खसरा नंबर	कुल रकबा (हैक्टेयर)	प्रस्तावित रकबा (हैक्टेयर)	भूमि पर स्थित परिसंपत्तियॉ
1	सुमित राधेश्यामझंवर HUF द्वाराकर्ता सुमितझंवर पिता राधेश्याम झंवर पता पारस गुलाब वाटिका फेस 2 सिहोर सीहोर मध्य प्रदेश भूमि स्वामी	124/1	0.002	0.002	निरंक
2	सुमित आ राधेश्याम झॅवर (huf) जाति माहेश्वरी पता नि.भोपाल नाका सीहोर भूमिस्वामी	124/2	0.532	0.024	निरंक
	कुल योग	2 किता	0.534	0.026	

3. सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए भूमि की आवश्यकता है :- भोपाल-सीहोर मार्ग पर (एस0 एच0-18 पर रेल्वे क्रांसिंग क्रमांक 104 पर आर.ओ.बी. निर्माण कार्य हेतु।
4. भूमि के नक्शे तथा प्लान का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुभाग सीहोर तथा परियोजना प्रशासक कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग भोपाल के कार्यालय में किया जा सकता है।

(तन्मय वर्मा)
अनुविभागीय अधिकारी एवं
भू-अर्जन अधिकारी अनुविभागी सीहोर
तहसील-सीहोर

जी/12570/26

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम
से तथा आदेशानुसार
(बालागुरू. के)
कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव,
म.प्र.शासन राजस्व विभाग जिला सीहोर (म.प्र.)

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com